

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

2 आिवन, 1940 (श०)

सं\$ या-903 राँची, सोमवार 24 सत-बर, 2018(ई०)

वध (वधान) वभाग

अ1धसूचना

19 सत-बर, 2018

संया-एल०जी०-23/2018-138/लेज०-- झारखंड 3वधान मंडल का 5न-नल6खत अ1ध5नयम िजस पर रा8यपाल 9दनांक 17 सत-बर, 2018 को अनुम5त दे चुक>ं है, इसके वारा सवBसाधारण क> सूचना के लए काशत Dकया जाता है ।

रामचं चं वंशी व"वव#यालय अध%नयम , 2018

(झारख)ड अध%नयम संया- 10, 2018)

+ ,तावना

झारखंड रा8य मF रामचंG चंGवंशी3वव3वयालय क> Hथापना एवं समावेश के लए और उससे स-बL एक 5नजी 3वव3वयालय के आनुषं1गक मामलN क> िHथ5त दान करने हेतु एक अ1ध5नयम;

जबDक यह समयो1चत है Dक पलामू, झारखंड से सृजित एवं पंजीकृत रामचंG चंGवंशी वेलफेयर RHT, रातू रोड, रांची, आHथा Sबिटडंग, Uलैट नंबर-15, 9RपलेXस 12A/2007-08 (पंजीयन सं\$या-7298 9दनांक-02-08-2006) वारा ायोिजित रामचंG चंGवंशी 3वव3वयालय,

2

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

SबZामपुर, पलामू, झारखंड क> Hथापना तथा समावेशन और उसके अनु[प 5नजी 3वव3वयालय का दजाB दान करने हेतु और उससे संबL आनुषं1गक मामलN के संदभB मF आवयक है।

एतद Jवारा भारतीय गणरा8य के उ^हतरवF वषB मF झारखंड 3वधान-सभा वारा 5न-नल6खत [प मF अ1ध5नयमत Dकया जाता है:

+ारं.भक 1. सं123त नाम, व,तार एवं +ारंभ:-

- 1) यह अ1ध5नयम "रामचंG चंGवंशी3वव3वयालय अ1ध5नयम, 2018" कहा जाएगा।
- 2) इसका 3वHतार स-पूणB झारखंड रा8य मF होगा।
- 3) यह उस 5त1थ से वृत होगा जैसा Dक रा8य सरकार वारा शासक>य राजपb मF अ1धसूचना जारc कर 5नयत Dकया जाय ।

2. प6रभाषा:-

अगर इस अ1ध5नयम के संदभB मF अ^यथा अपेदेत/आवयक हो:

- (a) 'अकादमक पारष' का अथB है 3वव3वयालय क> अकादमक पारष जैसा Dक अ1ध5नयम क> धारा-24 मF व6णBत है;
- (b) 'वा3षBक 5तवेदन' का आशय है 3वव3वयालय का वा3षBक 5तवेदन जैसा अ1ध5नयम क> धारा-39 मF संदभBत है;
- (c) 'बंधन' बोडB' का अथB है, इस अ1ध5नयम क> धारा-23 के तहत ग9ठत 3वव3वयालय का बंधन बोडB;
- (d) 'पारसर' का आशय है 3वव3वयालय का ेबफल जहाँ यह अविHथत है;
- (e) 'कुला1धप5त' से आशय है 3वव3वयालय के कुला1धप5त, जो इस अ1ध5नयम क> धारा-12 के अधीन 5नयुXत हN;
- (f) 'मु\$य 3वत एवं लेखा पदा1धकारc' का अथB है 3वव3वयालय के मु\$य 3वत एवं लेखा पदा1धकारc जो अ1ध5नयम क> धारा-18 के अधीन 5नयुXत हN;
- (g) 'परceा 5नयंबक' का अथB है 3वव3वयालय के परceा 5नयंबक, िजनक> 5नयुXत अ1ध5नयम क> धारा-19 के अधीन हुई हो;
- (h) 'अंगीभूत महा3वयालय' से आशय है वैसे महा3वयालय अथवा संHथान जो 3वव3वयालय वारा संपो3षत हN;
- (i) 'कमBचारc' से आशय है 3वव3वयालय वारा 5नयुXत कमBचारc; इसके अ^तगBत 3वव3वयालय एवं अंगीभूत महा3वयालय के शेक एवं अ^य कमBचारc भी समा9हत हu;
- (j) 'Hथायी 5न1ध' का अथB है 3वव3वयालय क> Hथायी 5न1ध िजसक> Hथापना अ1ध5नयम क> धारा-37 के तहत हुई हो;
- (k) 'संकाय' से आशय है समान अनुशासनN के अकादमक 3वभाग;
- (l) 'शुTक' का आशय है 3वव3वयालय वारा 3वया1थBYN से उगाहc गयी राश, जो Dकसी पाययZम तथा उससे संबंधत हो;

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर.2018

3

- (m) 'सामा^य 5न1ध' से आशय है 3वव3वयालय क> सामा^य 5न1ध, िजसक> Hथापना अ1ध5नयम क> धारा-38 के अ^तगBत हुई हो;
- (n) 'शासी 5नकाय' का अथB है 3वव3वयालय का शासी 5नकाय, िजसका गठन अ1ध5नयम क> धारा-22 के तहत हुआ हो;
- (o) 'रा~Rcय मूTयांकन एवं qयायन पारष से आशय है रा~Rcय मूTयांकन एवं qयायन पारष, बFगलु, 3वव3वयालय अनुदान आयोग क> एक Hवायqत संHथा;
- (p) '3व9हत'/5नयत' का अथB है इस अ1ध5नयम के तहत 3व9हत/5नयत पार5नयम और 5नयमावलc;
- (q) '5त-कुलप5त' का अथB है 3वव3वयालय के 5त कुलप5त, िजनक> 5नयुXत अ1ध5नयम क> धारा-15 के तहत हुई हो;
- (r) 'कुलस1चव' का अथB है 3वव3वयालय के कुलस1चव, िजनक> 5नयुXत अ1ध5नयम क> धारा-17 के तहत हुई हो;
- (s) '5नयंबी 5नकाय' का आशय है भारत सरकार वारा उच शेा के अकादमक Hतर के सु5नचयन हेतु मानकN एवं शत के 5नधाBरण के लिए Hथा3पत 5नकाय, यथा- 3वव3वयालय अनुदान आयोग, अ6खल भारतीय तकनीक> शेा पारष, रा~Rcय शेक शेा पारष, भारतीय 1चDकqसा पारष, बार काउंसल ऑफ इंडया, फामसी काउंसल ऑफ इंडया, रा~Rcय मूTयांकन एवं qयायन पारष, भारतीय नसग पारष, भारतीय कृ3ष अनुसंधान पारष, वैा5नक एवं औयो1गक शोध पारष आ9द तथा इसके अलावा सरकार अथवा

- कोई वैसा 5नकाय, जो भारत सरकार या रा8य सरकार वारा ग9ठत Dकया गया हो;
- (t) '5नयमावलc' से आशय है इस अ1ध5नयम के अ^तगBत 5नमBत 5नयमावलc;
- (u) 'अनुसूची' का अथB है इस अ1ध5नयम के तहत संल□न अनुसूची;
- (v) 3वव3वयालय से संबं1धत 'वतBक 5नकाय' का अथB है:-
- (i) सोसाइटcज रिजHRेशन एXट, 1860 के अ^तगBत कोई संHथा, अथवा
- (ii) इं□डयन RHT एXट, 1882 के अधीन पंजीकृत कोई लोक ^यास, अथवा
- (iii) Dकसी रा8य क> 3व1ध के अनुप पंजीकृत कोई संHथा या ^यास।
- (w) 'रा8य सरकार' से आशय है झारखड क> रा8य सरकार;
- (x) 'पार5नयम' 'अ□यादेश' और '3व5नयम' का zमश: आशय है, पार5नयम, अ□यादेश और 3व5नयम जो इस अ1ध5नयम के अ^तगBत 3वव3वयालय वारा 5नमBत हN;
- (y) '3वव3वयालय के 3वयाथ□' का अथB है 3वव3वयालय मF उपा1ध, □ड□लोमा अथवा 3वव3वयालय वारा Hथा3पत अ^य अकादमक 3वश~टता ा□त करने हेतु एक पाययzम मF नामाDकत □यिXत, िजसमF शोध-उपा1ध भी शामिल है;
- (z) 'शेक' से आशय है ोफेसर, एसोसिएट ोफेसर, असHटे^ट ोफेसर अथवा इस तरह के अ^य □यिXत, िजनक> 5नयुिXत 3वव3वयालय या Dकसी अंगीभूत महा3वयालय या

4

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

संHथा मF 5नद□शत करने (शेण) अथवा शोधकायB संचालन हेतु हुई हो, इसके तहत अंगीभूत महा3वयालय अथवा संHथान के धानाचायB भी सि-मलत हu, िजनक> संपुि~ट 3वव3वयालय अनुदान आयोग वारा 5नधाBिरत 5नयमN के अ^तगBत हुई हो;

- (aa) '3वव3वयालय अनुदान आयोग' से आशय है 3वव3वयालय अनुदान आयोग अ1ध5नयम, 1956 के अधीन Hथा3पत 3वव3वयालय अनुदान आयोग;
- (ab) '3वव3वयालय' का अथB है इस अ1ध5नयम के अ^तगBत झारखड मF Hथा3पत **रामचं चं वंशी** 3वव3वयालय;
- (ac) 'कुलप5त' से आशय है 3वव3वयालय के कुलप5त, िजनक> 5नयुिXत इस अ1ध5नयम क> धारा-13 के तहत हुई हो;
- (ad) '3विजटर'/'अ5त1थ'/'आगंतुक' से आशय है 3वव3वयालय के 3विजटर/अ5त1थ/आगंतुक यथा इस अ1ध5नयम क> धारा-10 मF व6णBत है।

3. व"वव#यालय क9, थापना:-

- (1) 3वव3वयालय क> Hथापना **रामचं चं वंशी** 3वव3वयालय के नाम से होगी।
- (2) 3वव3वयालय का मु\$यालय झारखड रा8य के अ^तगBत होगा तथा यह पलामू मF अविHथत होगा।
- (3) वतBक 5नकाय को रा8य सरकार वारा ा1धकार पb जारc Dकये जाने के बाद हc 3वव3वयालय का संचालन आरंभ Dकया जायेगा।
- (4) इस अ1ध5नयम क> अनुसूची 'ए' मF सि-मलत शत□ को 3वव3वयालय 5नधाBिरत समयाव1ध मF पूरा करेगा।
- (5) 3वव3वयालय के शासी 5नकाय, बंधन बोडB, अकादमक पारष, कुला1धप5त, कुलप5त, 5त कुलप5त, कुलस1चव, शेक, मु\$य 3वqत एवं लेखा पदा1धकारc एवं

अ॒य अ॒धकार॒ यासद॒य या ा॒धकार॒ एत॒ज॒वारा ३व॒व॒व॒यालय के नाम से ग॒ठत ५नकाय बनाएंगे जब तक वे इस पद पर है अथवा उनक॒सद॒यता बनी रहेगी।

(6) ३व॒व॒व॒यालय एक अस-ब॒ल ३व॒व॒व॒यालय के [प म॒फ काय॒ब कर॒फगे और वे डकसी भी महा॒व॒यालय या सं॒ह॒थान म॒फ नामां॒डकत ३व॒या॒थ॒ब॒य॒न को उपा॒ध (□ड□ी), □ड□लोमा और माण-प॒ब दान करने हेतु सब॒लता नह॒ं दे सक॒फगे।

(7) इस अ॒ध॒नय॒म के भावी होने के पू॒व॒ब वत॒बक ५नकाय के अंगीभूत महा॒व॒यालय और सं॒ह॒थान, जो स-ब॒लता ा□त ह॒उ और ३व॒व॒व॒यालय के ३व॒शेषा॒धकार का उपयोग कर रहे ह॒उ वे इस अ॒ध॒नय॒म के भावी होने के साथ ह॒उ उस ३व॒व॒व॒यालय से अस-ब॒ल हो जाएंगे, उनक॒ऐसी सु॒व॒धाएँ इस अ॒ध॒नय॒म के लागू होने के साथ समा□त हो जाएंगी और **रामचं चं वंशी** ३व॒व॒व॒यालयके वत॒बक ५नकाय वारा द॒त सु॒व॒धाओं के साथ

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

5

ऐसे महा॒व॒यालय और सं॒ह॒थान उस **रामचं चं वंशी** ३व॒व॒व॒यालय के अंगीभूत महा॒व॒यालय या सं॒ह॒थान बन जाएंगे।

(8) **रामचं चं वंशी** ३व॒व॒व॒यालय नाम से एक ५नकाय होगा और इस अ॒ध॒नय॒म के ाव॒धान॒न के अनु॒प उसके पास सत॒त् पद-ा□त अनु॒म और सामा॒य ५त□ा माणन क॒शिखत होगी, स-प॒५त □हण करने व उस पर आ॒ध॒प॒य रखने, उसे अनु॒बंध/सं॒व॒दा पर देने अथवा क॒थत नाम से वाद चलाने के अ॒धकार ह॒नगे या िजस पर वाद दायर डकया जा सकेगा।

(9) ३व॒व॒व॒यालय रा॒४य सरकार अथवा के॒ग सरकार से डकसी भी कार के अनुदान अथवा ३व॒व॒व॒यालय सहायता ा□त नह॒ं कर सक॒फगे।

ब॒शत□ डक रा॒४य सरकार अथवा के॒ग सरकार अनुदान या अ॒य तर॒के से ३व॒व॒व॒यालय सहायता दे सकती है:

- (a) शोध ३व॒कास और अ॒य ग॒५त॒व॒व॒ध॒य॒न के ल॒ए जैसे रा॒४य सरकार के अ॒य संगठन॒न ३व॒व॒व॒यालय सहायता उपल॒ध करायी जाती है अथवा
- (b) ३व॒श-ट शोध अथवा काय॒ब॒म आधा॒रत कोई ग॒५त॒व॒व॒ध॒य॒न;

4. व॒व॒व॒यालय क॒९ स॒प॒त एवं इसके अनु॒य॒ोग:-

- (1) ३व॒व॒व॒यालय क॒९ ह॒थापना हो जाने पर भूम और अ॒य चल एवं अचल स-प॒५तयाँ, जो झारखड रा॒४य म॒फ ३व॒व॒व॒यालय के उ॒य (पू॒५त॒ब) के ल॒ए अ॒ध॒९ह॒त, सृ॒जित, यवि॒ह॒त या ५नम॒बत क॒९ जाती ह॒उ, वे ३व॒व॒व॒यालय म॒फ ५न॒९ह॒त ह॒नगी।
- (2) ३व॒व॒व॒यालय वारा भूम, भवन और अ॒य अ॒ध॒९ह॒त स-प॒५तयाँ डकसी अ॒य उ॒य के ल॒ए इ॒ह॒तेमाल नह॒ं ह॒नगी स॒वा िजस उ॒य के ल॒ए वे अ॒ध॒९ह॒त क॒९ गयी ह॒उ।
- (3) ३व॒व॒व॒यालय क॒९ चल अथवा अचल स-प॒५तय॒न का बंधन शासी ५नकाय वारा ३व॒५नय॒म॒न म॒फ द॒त र॒५त के अनु॒प डकया जायेगा।
- (4) उप धारा-(1) के अ॒त॒ग॒बत ३व॒व॒व॒यालय के नाम से ह॒ह॒तांत॒रत स-प॒५त को ३व॒व॒व॒यालय के ३व॒घटन अथवा समापन के फल॒ह॒व॒प ५न॒धा॒बि॒रत ढंग से ५नय॒माव॒ल॒ म॒फ व॒६ण॒बत तर॒के से यु॒खत डकया जाएगा।

5. व॒व॒व॒यालय के ॒न॒ब॒धन/अवरोध और बा॒ड॒यताएँ:-

- (1) ३व॒व॒व॒यालय के □यावसा॒यक पा॒य॒य॒म॒न, यथा-अभ॒य॒ण एवं ौयो॒गक॒९, १च॒डक॒सा- शा॒ह॒ब, बंधन आ॒९द के ल॒ए श॒ण-शु॒क का ५न॒धा॒रण ३व॒व॒व॒यालय के वारा रा॒४य सरकार वारा अ॒ध॒सू॒चत समय-समय पर ५नयामक ५नकाय, जैसा वह उ॒चत समझेगी, के प॒य॒वे॒ण म॒फ डकया जाएगा।

(2) 3वव3वयालय मF नामांकन पूरc तरह योयता के आधार पर होगा। 3वव3वयालय मF नामांकन क> योयता का 5नधाBरण ातांक या अहBता परceा मF ात ेड और पाययेतर और अ5तरXत पाययचयाB ग5त3व1धयN अथवा रा8य Hतर पर 3वव3वयालय या 3वव3वयालयN के संगठन या रा8य सरकार के Dकसी अभकरण वारा समान पाययzमN के लए संचालत वेश परceा मF ात अंकN या ेड के आधार पर Dकया जाएगा।

6

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

बशत Dक 3वव3वयालय के यावसायक शेण महा3वयालयN अथवा संHथानN मF नामांकन 5नयंbी 5नकाय के ावधानN वारा शासत/5नयमत हो।

(3) 5नधBन एवं आ1थBक िट से 3पछड़े वग के 3वया1थBयN के लए 3वव3वयालय कोशेण शुTक मF पूरc eमता के कम से कम पाँच 5तशत को मेधा छाबवृ5त क> अनुम5त देनी होगी। 5नधBनता तथा आ1थBक िट से 3पछड़े वग क> कसौटc का 5नधाBरण रा8य सरकार वारा समय-समय पर Dकया जा सकेगा।

(4) 3वव3वयालय के 3वया1थBयN क> कुल सं\$या के कम से कम पचीस 5तशत सीटN पर झारखड रा8य के अ1धवासी 3वया1थBयN के लए आरdeत करने का ावधान 3वव3वयालय को करना होगा। सीटN के आरेण का 5नयमन झारखड सरकार के 5नयम और समय-समय पर जारc आदेशN के वारा Dकया जायेगा।

(5) 3वव3वयालय को 3वव3वयालय के शेकेतर पदN के कम से कम पचास 5तशत शेकेतर पदN को झारखड रा8य के अ1धवासी लोगN के लए आरdeत करने का ावधान रखना होगा। सीटN के आरेण का 5नयमन झारखड सरकार के 5नयम और समय-समय पर जारc आदेशN के वारा Dकया जायेगा।

(6) 3वव3वयालय को अकादमक Hतर को बनाये रखने के लए यथे-ट/पयाB” त सं\$या मF शेकN एवं अ1धकािरयN क> 5नयुित करनी होगी और यह सु5निचत करना होगा Dक उन शेकN या अ1धकािरयN क> योयता ासंगक 5नयामक 5नकाय वारा 5नधाBरत मानक से 5न-न न हो।

(7) 3वव3वयालय को 3वव3वयालय से जुड़ी तमाम सूचनाएँ 3वया1थBयN एवं अयपणधािरयN के 9हत मF सावBज5नक करनी होगी, जैसे Dक संचालत पाययzम, अलग-अलग को9ट (Zेणी) के तहत सीटF, शुTक एवं अय पारयय, दत सहूलयतF एवं सुख सु3वधाएँ, उपलध संकाय/ायापक वगB एवं अय ासंगक सूचनाएँ।

(8) पार5नयमN मF व6णBत र5त के अनुप 3वव3वयालय qयेक अकादमक वषB मF उपाध, डलोमा दान करने एवं अय उये से दceांत समारोह आयोजित कर सकेगा।

(9) 3वव3वयालय को Hथापना के पाँच वष के भीतर रा~Rcy मूयांकन एवं पािष (NAAC) से qयायन ात करना होगा और भारत सरकार क> अय संHथाएँ, जो 3वव3वयालय वारा संचालत पाययzमN से स-बL हu, के वारा ेड क> सूचना रा8य सरकार को देनी होगी। 3वव3वयालय को समय-समय पर qयायन का नवीकरण कराना होगा।

(10) इतना होते हुए भी इस अ1ध5नयम क> अनुसूची 'A' मF उिल6खत शत और भारत सरकार क> 5नयामक संHथाओं के 5नयमN, 3व5नयमN, मानदडN आ9द का इन संHथाओं वारा दत सहूलयतN तथा सहयोग व कतBयN के 5न-पादन एवं कायB को जारc रखने के लए उन संHथाओं को जैसी आवयकता होगी, 3वव3वयालय के लए इनका

अनुपालन बायकार होगा।

6.

व"वव#यालय के उHे"य:-
तथा सार एवं ऐसी अधगम क
तथा कौशलN को बढ़ाना तथा अवतार

ववववयालय का उेय अनुदेशनामक, शोध
शाखाओं के वारा जैसा वो उपयुत समझे, ान

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

7

करना होगा और ववववयालय यह यन करेगा Dक वया1थBयN तथा शेकN को
5न-नल6खत के लए आवयक माहौल तथा सुवधाएँ उपलध करायी जायF:-

- पाययम का मुय शेा मF पुन5नBमाBण एवं नवाचार, शेण के नवीन तरके, शेण तथा अधगम ऑनलाइन अधगम सहत, सि-म1Zत अधगम, सतत् शेा एवं अय तरके तथा एककृत एवं यिXतव का हतकर वकास;
- वववध अनुशासनN मF अययन;
- अंतर अनुशासक अययन;
- रा~Rय अखंडता, धमB5नरपेता एवं सामाजिक समता तथा अतररा~Rय मेल मलाप एवं नीतशाHb।

7. **व"वव#यालय .लंग, धमJ, वगJ, रंग, पंथ, अथवा मत से परे सबके .लए खुला होगा:-**

Dकसी भी यिXत को ववववयालय के Dकसी कायाBलय अथवा उसके Dकसी अय ाधकार क सदयता से अथवा Dकसी डी, डलोमा अथवा अय अकादमक वैशय पाययम मF नामांकन से लंग, मत, वगB, जात, जम के हथान और धामBक ववास अथवा राजनीतक या अय मतवाद के आधार पर पेपात या भेदभाव कर वंचत नहं Dकया जाएगा।

8. **व"वव#यालय के कायJ एवं शिमतयाँ:-**

- ववववयालय का शासन एवं बंधन, इसके अंगीभूत महावयालयN का शासन एवं बंधन तथा शोध, शेण, शेण के केGN का अवतार एवं सतत् शेा, दूरHथ अधगम एवं ई-ल5नग के अवतार एवं पहुँच को इसके झारखड राय मF अविHथत पारसर मF संचालन व बंधन;
- वान, ौयो1गक>, मानवक>, समाज वान, शेा-शाHb, बंधन, वणय, वध, फामसी, HवाHय सेवा एवं अय ेबN मF शोध, उच शेा, यावसायक शेा, शेण- शेण, सतत् उपलध कराना;

शेा, दूरHथ अधगम एवं ई-ल5नग के संसाधनN को

- शैदेक ौयो1गक>, शेण एवं अधगम Dzया मF नवाचार योग, रा~Rय एवं अतररा~Rय संHथाओं के साथ सहयोग एवं वैसी संHथाओं को संयुत कायBमN का Hताव देना िजससे शेा के अवतरण एवं अतररा~Rय मानकN को वकसत एवं ात करने मF 5नरंतरता रहे;
- शेा दान करने मF लचीलेपन के लए 5नधाBित पाययम, पाययचयाB एवं णाल मF इलेXरा5नक एवं दूरHथ अधगम वहत करना;
- परceा का आयोजन तथा Dकसी यिXत के नाम ववववयालय वारा तय शत के साथ उपाध, डलोमा या माण-प और अय अकादमक वश~टता दान करना अथवा व5नयमN मF व6णBत तरके से उस उपाध, डलोमा या माण-प और अय अकादमक वश~टता या नाम को वापस लेना;
- फेलोशप (शेावृित), छावृित, पदक और पुरHकार Hथापत एवं दान करना;
- पर5नयम मF व6णBत तरके के अनुप मानद उपाध या अय वश~टता दान

करना; (viii) उ॒पेयN क॒ ाि॒त मF आवयक सहायता के लए Hकूल, के^G, संHथान, महा३वयालय क॒ Hथापना और ३वव३वयालय के मतानुसार कायBzमN तथा पा॒यय॒मN का आयोजन;

8

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

- (ix) ३वव३वयालय के मतानुसार शे॒ा दान करने व योजनN के ो॒साहन के लए Dकसी महा३वयालय, के^G, संHथान को अंगीभूत महा३वयालय घो३षत करना या नये अंगीभूत महा३वयालय, के^G, संHथान क॒ Hथापना करना;
- (x) शोध, शेण साम॒ी एवं अ॒य काय॒ के लए मुGण, काशन एवं पुन॒पादन हेतु बंधन एवं दशB5नयN, स-मेलनN, कायBशालाओं एवं संगोि॒ठयN का आयोजन;
- (xi) ान संसाधन के^G क॒ Hथापना; (xii) ३व॒ान, ौयो॒गक॒, मान३वक॒, समाज ३व॒ान, शे॒ा, बंधन, वा6ण8य, ३व1ध, फाम॒सी, HवाH॒य सेवा एवं अ॒य स-बL े॒bN मF अनुसंधान तथा शै॒क कायBzमN का ायोजन एवं दा॒यव॒वहन करना;
- (xiii) समान उ॒पेयN के लए Dकसी शै॒क संHथान के साथ सहयोग व संबLता;
- (xiv) ३वव३वयालय के उ॒पेयN क॒ ाि॒त के लए आभासी (वचुBअल) पारसर समेत पारसरN क॒ Hथापना;
- (xv) पेटे॒ट कृ॒त के शोध, योजना अ॒धकारN एवं ऐसे समान अ॒धकारN के साथ स॒म ा॒धकारN से अनुसंधान के संबंध मF पंजीकरण का दा॒यव॒व लेना;
- (xvi) ३वव३वयालय के आंशक अथवा पूणB उ॒पेयN क॒ ाि॒त हेतु दु॒नया के Dकसी भी 9हHसे के शै॒क एवं अ॒य संHथानN, ३वव३वयालयN के साथ ३वया॒थBयN, शोधा॒थBयN, शेकN, कमBचा॒रयN के आदान-दान के वारा संबंध अथवा सहयोग बनाना जैसा वो उ॒चत समझे;
- (xvii) अनुसंधान, शेण, परामशB तथा इस कार क॒ अ॒य सेवाएँ देना, जो ३वव३वयालय के योजन के लए आवयक हो;
- (xviii) शेकN, शोधा॒थBयN, शासकN एवं ३व॒ान, ौयो॒गक॒, मान३वक॒, समाज ३व॒ान, शे॒ा, बंधन, ३व1ध, वा6ण8य, फाम॒सी, HवाH॒य सेवा एवं स-बL े॒b के ३वशेष॒Nके बीच ३वव३वयालय के ल॒यN क॒ ाि॒त के लए संबंध बनाये रखना;
- (xix) म॒हलाओं एवं अ॒य वं॒चत ३वया॒थBयN के लए ३वव३वयालय वारा यथासंभव वांछनीय ३वशेष ॒यवHथा करने पर ३वचार;
- (xx) ३वव३वयालय के ॒यय का ॒नयमन, ३व॒त का बंधन एवं लेखा का रख-रखाव; (xxi) ३वव३वयालय के उ॒पेय एवं ल॒य ाि॒त के लए ह॒तांतरण वारा ॒न॒ध, चल एवं अचल स-पि॒त, उप॒कर, सॉ॒टवेर एवं अ॒य संसाधनN को ॒यवसाय, उ॒योग, समाज के अ॒य व॒ग, रा॒र॒य एवं अ॒तररा॒र॒य संगठनN अथवा Dकसी अ॒य ो॒त से उपहार, दान, उपकार या वसीयत के [प मF ाि॒त करना;
- (xxii) ३वया॒थBयN के लए सभागार, छा॒वा॒स एवं शेकN तथा कमBचा॒रयN के ॒नवा॒स के लए आवास का ॒नमा॒ण, रख-रखाव एवं ॒यवHथा;
- (xxiii) खेल, सां॒कृ॒तक सह-पा॒यय॒चयाB एवं अ॒ता॒र॒त पा॒यय॒चयाB ग॒त॒व॒धयN क॒ उ॒न॒तके लए के^GN, पारसरN, सभागारN, भवनN, Hटे॒डयम का ॒नमा॒ण, बंधन तथा रख-रखाव; (xxiv) ३वव३वयालय के ॒नवा॒सी ३वया॒थBयN, शेकN तथा कमBचा॒रयN के लए अनुशासन बनाये रखने और उनके HवाH॒य, सामा॒य

कTयाण, सामाजिक एवं सांHकृ5तक ग5त3व1धयN के ोqसाहन, संवLBN हेतु
पयBवेण, 5नयंbण तथा 5नयमन;

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

9

- (xxv) पार5नयम वारा 5नधाBिरत फ>स एवं अ^य शुTक तय करना, मांगना तथा ा□त करना;
(xxvi) फैलोशप (शोधवृिृत), छाबवृिृत, पुरHकार, पदक एवं अ^य पुरHकारN क>
Hथापना; (xxvii) 3वव3वयालय आवयकता या योजन को पूरा करने क> ि~ट से Dकसी भूम या
भवन को खरcदने, प^े पर लेने या उपहारव वसीयत, 3वरासत या अ^य तरcके से कायB हेतु
ा□त कर सकेगा और यह उन 5नयमN व शत□ के [प मF HवीकायB हो सकता है, िजससे
Dकसी भवन को बनाने या कायB करने, उसमF पारवतBन करने और रख-रखाव हेतु उ1चत हो;
(xxviii) 3वव3वयालय के 9हत, ग5त3व1धयN एवं उ□ेयN क> संग5त क> ि~ट से जो
मा^य हो, उसके अनुप 3वव3वयालय क> चल या अचल स-पिृत या उसके Dकसी
9हHसे को बेचने, 3व5नयम, प^ा या अ^य तरcके से बंधत करना;
(xxix) 5नमाBण और समथBन, कटौती और वाताB, वचनपb नोट, 3व5नयम Sबल, चेक और
अ^य 3व5नमेय उपHकर आक3षBत और Hवीकार करना;
(xxx) 3वव3वयालय के सभी खच□ को पूरा करने के लए 3वव3वयालय क> 5न1ध को
बढ़ाना और बांड पर उधार लेना, बंधक, वचनपb नोट या अ^य दा5यqवN या 5तभू5तयN
क> Hथापना या स-पूणB अथवा 3वव3वयालय क> Dकसी संपिृत और पारस-पिृत
अथवा Sबना Dकसी 5तभू5त और मा^य 5नयमN और शत□ के अनुप करना;

9.

- स<बOता के अवरोधक:-** (1) 3वव3वयालय को Dकसी महा3वयालय या संHथा को
स-बLता देने का 3वशेषा1धकार नहcं होगा।
(2) 3वव3वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Hथा3पत ऐसे अ^य 5नयामक
5नकायN अथवा के^G या रा8य सरकार, जैसा भी हो, के वारा पूवB Hवीकृ5त के पचात्
हc 3वव3वयालय अपने पारसर के अलावा कोई दूरवत□ पारसर, अपतट पारसर,
अ□ययन के^G, परceा के^G झारखड रा8य के अ^दर या बाहर शु कर सकेगा। (3)
दूरHथ णालc से पाययzमN क> शु आत केवल 3वव3वयालय अनुदान आयोग अथवा
सरकार वारा Hथा3पत ऐसी 5नयामक संHथा क> पूवB Hवीकृ5त के बाद क> जाएगी। 10.

आगंतुक (विजटर):-

- (1) झारखड के रा8यपाल 3वव3वयालय के 3विजटर (आगंतुक) हNगे।
(2) आगंतुक (3विजटर) जब दceांत समारोह मF □ड□ी (उपा1ध), □ड□लोमा,
चाटBR, ओहदा (पदनाम) और माण-पb दान करने के लए मौजूद रहFगे तो उसक> अ□यता
करFगे। (3) 3वव3वयालय अथवा 3वव3वयालय वारा संपो3षत Dकसी संHथान के शेा के
Hतर, अनुशासन, श~टाचार और समु1चत Dzयाशीलता को सु5निचत करने क> ि~ट से
आगंतुक को 3वव3वयालय के «मण/दौरे का अ1धकार होगा।

10

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

व"वव#यालय के अधिकारR

11. व"वव#यालय के %न<न.लSखत अधिकारR हाTगे:-

- (a) कुला1धप5त (b) कुलप5त
(c) 5त-कुलप5त
(d) 5नदेशक/धानाचायB (e) कुलस1चव (f) मु\$य 3वृत एवं लेखा

पदाधिकार

- g) परसेा 5नयंक
(h) छाब कTयाण संकायाय (i) संकायाय (j) कुलानुशासक और
(k) 3वव3वयालय मF अय ऐसे अ1धकार जो पार5नयम वारा घोषित Dकये जाएंगे।

12. कुलाधपतः-

(1) कुलाधपत क> 5नयुित वतBक 5नकाय वारा पाँच वर्ष क> अवध के लिए आगंतुक (3विजटर) के अनुमोदन के पचात् 5नधाBिरत Dय्याओं तथा एतसंबंधी 5नयमN एवं शत के अनुप क> जाएगी। कायBकाल पूरा होने के पचात् कुलाधपत आगंतुक क> सलाह के बाद वतBक 5नकाय वारा पुन5नयुित Dकये जा सकF गे।

(2)

कुलाधपत अपने कायाBलय पद के अ1धकार से 3वव3वयालय के धान हNगे। (3) कुलाधपत शासी 5नकाय क> बैठकN क> अयता करFगे और जब आगंतुक (3विजटर) मौजूद नहं रहFगे तब उपाध (ड), डलोमा या अय अकादमक 3वश-टता दान करने हेतु द्वांत समारोह क> अयता करFगे।

(4) कुलाधपत अपने हाथ से लखत व वतBक 5नकाय को संबोधित कर अपने पद से इतीफा दे सकते ह।

(5) कुलाधपत को 5न-नलखत अ1धकार हNगे, यथा:-

- (a) Dकसी भी जानकारी या अभिलेख क> माँग करने;
(b) कुलपत क> 5नयुित;
(c) इस अ1ध5नयम के ावधानN के अनुप कुलपत को हटाने और
(d) इस अ1ध5नयम या पार5नयमN के वारा दत्त अय शिखतयों।

13. कुलपतः-

(1) कुलपत क> 5नयुित कुलाधपत 3वव3वयालय अनुदान आयोग वारा 5नधाBिरत योयताओं के अनुप करFगे और ये पाँच साल क> अवध के लिए अपने पद पर बने रहFगे। बशत Dक कुलपत पाँच वर्ष क> अवध पूर होने के पचात् पाँच वर्ष के एक और कायBकाल के लिए पुन5नयुित के पाब हNगे। शतB यह रहेगी Dक कुलपत के प मF 5नयुित यित 70 वर्ष क> आयु पूर करने के बाद अपने पद से, कायBकाल के दौरान या 3वहतािरत कायBकाल से सेवा5नवृत्त हो जाएगा।

(2) कुलपत 3वव3वयालय के मु\$य कायBकार और अकादमक अ1धकार हNगे और 3वव3वयालय के मामलN मF सामाय अधीण और 5नयंण का योग करFगे तथा 3वव3वयालय के 3वभन ा1धकारN वारा लिए गए फैसलN पर अमल करFगे।

(3)

आगंतुक (3विजटर) और कुलाधपत क> गैर मौजूदगी मF 3वव3वयालय के द्वांत समारोह क> अयता करFगे।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 11

(4) कुलपत य9द यह अनुभव करF Dक Dकसी मामले पर त्रकाल कारBवाई आवयक है, तो वे 3वव3वयालय के Dकसी ा1धकार का इस अ1ध5नयम के तहत दत्त शिखतयN का इतीमाल कर सकते ह और उस ा1धकार को संबल मामले मF कृत कारBवाई क> जानकारी दे सकते ह।

बशत Dक 3वव3वयालय का ा1धकार या 3वव3वयालय क> सेवा का अय यित य9द कुलपत वारा कृत कारBवाई से यथत है तो इस उप धारा के तहत इस 5नणBय के सीषत होने क> 5त1थ के एक माह के भीतर कुलाधपत के समे अपील

कर सकता है। कुलाधपति, कुलपति वारा क> गयी कारवाई को संपुट, संशोधित या परिवर्तित कर सकते हैं।

(5) कुलपति ऐसी शिखतयन का योग करेगा और इस तरह के अय काय करेगा जो 3वर्षत Dक्या जाय।

14. कुलपति क 9 पदव्युत:-

(1)

कुलाधपति को 9द Dकसी समय Dकसी जाँच के पचात् आवयक लगे या तीत हो Dक कुलपति:

(a) इस अधिनियम, परिनियम, अयादेश के तहत दत्त कतबयन के 5नवर्षत मF 3वर्षत रहे हN; अथवा

(b) 3वर्षतयालय के 9हतN के 3वर्षत पूवाबह से ेरित होकर काय Dकये हN,

या

(c)

3वर्षतयालय के मामलN को सुलझाने मF अेम हN, तो कुलाधपति इस बात के होते हुए भी Dक कुलपति का कायकाल पूरा नहं हुआ है, कारण बताते हुए 5नधाबित 5त1थ से पद से इतीफा देने के लए लखत आदेश दे सकते हैं। (2) उप धारा (1) के तहत 3वर्षत आधार पर कारवाई के Dकसी Hताव क> सूचना 9दए Sबना कोई आदेश पारित नहं Dक्या जाएगा, Hतावत आदेश के 6खलाफ कारण बताने का एक समुचित अवसर कुलपति को 9दया जाएगा।

15.

+%त-कुलपति:- (1) 5त-कुलपति क> 5नयुित कुलाधपति वारा इस तरह के से क> जाएगी और वह ऐसी शिखतयन का योग करेगा तथा ऐसे काय का 5नपादन करेगा जो 3वर्षत Dक्या जाय। (2) 5त कुलपति उप धारा-1 के तहत 5नयुित एक ोफेसर के [प मF अपने कतबयन के अलावा अपने कतबय का 5नवर्षत करेगा।

(3)

5तकुलपति कुलपति को उनक> आवयकतानुसार उनके कतबयन के 5नवर्षत मF सहायता करेगा।

(4) 5तकुलपति वतबक 5नकाय वारा 5नधाबित राश मानदेय के [प मF ात करेगा।

16. %नदेशक/+धानाचायJ :-

5नदेशकN/धानाचाय क> 5नयुित 5न9दबट ढंग से तथा दत्त शिखतयन का योग कर क> जा सकेगी।

17. कुलसचव :-

(1) कुलसचव वतबक 5नकाय के अये वारा परिनियम मF 5न9दबट ावधानN के अनुसार 5नयुित Dकये जाएंगे। कुलसचव 3वर्षतयालय अनुदान आयोग वारा 5नधाबित योयता को धारण करेगा।

12

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

(2) कुलसचव को 3वर्षतयालय क> ओर से अभिलेखN, दHतावेजN को अभिमाणत करने, माण-पबN पर हHताेर करने तथा समझौता करने क> शिखत होगी तथा वे ऐसी दूसरे शिखतयन का योग एवं काय को पूरा करेगा जो उनके लए 5न9दबट Dक्या गया हो।

(3) कुलसचव कायकार पारष एवं अकादमक पारष के पदेन सदHय सचव हNगे लेDकनउहF मत देने का अधिकार नहं होगा।

18. मुय ववत तथा लेखा अधिकार :-

- (1) वतBक 5नकाय के अये वारा मुय 3वत तथा लेखा पदाधिकार क> 5नयुित इस कार क> जाएगी, जैसा पार5नयम मF 5न9दB~ट हो।
- (2) मुय 3वत एवं लेखा पदाधिकार ऐसी शितयN का योग तथा दा5यवN का 5नवBहन कर सकF गे जैसा Dक पार5नयम मF 5न9दB~ट है।

19. परेा नयक:-

- (1) परेा 5नयक 3वव3वयालय का पूणBकालक पदाधिकार होगा तथा पार5नयम के अनुप कुलाधप5त वारा 5नयुित Dकया जाएगा।
- (2) परेा 5नयक के दा5यव हNगे:-
 - (a) परेा को अनुशासत एवं कुशल तरके से संचालत करना;
 - (b) सत गोपनीयता क> िट से न-पबN के चयन क> यवHथा करना;
 - (c) 5नधाBिरत समय-सािणी के अतगत उतर पुितकाओं के मूयांकन क> यवHथा करना;
 - (d) परेा-णाल क> 5नपेता और 3वषय5नठता को उनत बनाने तथा 3वयाथयN क> योयता के सह आकलन क> िट से बेहतर साधन अपनाने के लए सतत् समीा करना;
 - (e) कुलप5त के वारा समय-समय पर स-पे गए उन सारे दा5यवN का 5नवBहन करना जो परेा से संबंथत हN।

20. अय अधिकार:-

छाब कTयाण संकायाये, संकायाये और मुय कुलानुशासक स9हत 3वव3वयालय के अय अाधकारयN के दा5यव, शितयN और 5नयुित का तरका वैसा होगा, जैसा 5न9दB~ट Dकया गया हो।

21. वववयालय के ाधिकार:-

- 3वव3वयालय के 5न-नल6खत ाधिकार हNगे, यथा-
- (a) शासी 5नकाय
 - (b) बंधन बोडB
 - (c) अकादमक पारष
 - (d) 3वत सम5त
 - (e) योजना बोडB
 - (f) वैसे अय सभी ाधिकार, जो पार5नयम के वारा 3वव3वयालय के ाधिकार घो3षत Dकये गये हN।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 13

22. शासी नकाय

- (1) शासी 5नकाय के 5न-नल6खत सदहय हNगे, यथा-
 - (a) कुलाधप5त;
 - (b) कुलप5त;
 - (c) सरकार के सचिव, उच एवं तकनीक> शेा 3वभाग, झारखंड अथवा उनका 5त5न1ध;
 - (d) वतBक 5नकाय वारा नामत पाँच यित, िजनमF से दो \$यात शेा3व हNगे;
 - (e) कुलाधप5त वारा नामत 3वव3वयालय के बाहर से एक यित, जो बंधन और ौयो1गक> के 3वशेष के प मF हNगे।
 - (f) कुलाधप5त वारा नामत एक 3वत 3वशेष।

(2) शासी 5नकाय 3वव3वयालय का सव-□ च ा1धकार एवं मु\$य शासी 5नकाय होगा।

इसक> 5न-नल6खत शिXतयाँ हNगी, यथा:-

(a) 5नयम, पार5नयम, अ1ध5नयम, 3व5नयम अथवा अ□यादेश का योग करते हुए 3वव3वयालय के काय□ को 5नयंसbत, 5नद□शत एवं संचालत करना;

(b) 3वव3वयालय के अ^य 5नणBयN क> समीeा करना य9द वे अ1ध5नयमN, पार5नयमN, अ□यादेश, 3व5नयम या 5नयमावलc के ावधानN के अनुप नहcं हो;

(c) 3वव3वयालय के वा3षBक 5तवेदन तथा बजट को अनुमो9दत करना;

(d) 3वव3वयालय वारा अनुपालन हेतु 3वHतृत नी5तयN का 5नमाBण;

(e)

3वव3वयालय के 3वघटन के लए वतBक 5नकाय को अनुशंसा करना, य9द संपूणB यास के बाद भी 3वव3वयालय ठ®क ढंग से कायB संप^न करने क> िHथ5त मF नहcं हो;

(f) पार5नयमN वारा 5न9दB~ट अ^य शिXतयN का योग करना।

(3) शासी 5नकाय क> बैठक एक कैलFडर वषB मF कम-से-कम तीन बार होगी।

(4)

बैठक का कोरम चार होगा; बशत□ उ□च एवं तकनीक> शेा 3वभाग, झारखंड सरकार के स1चव या उनक> अनुपिHथ5त मF 5नदेशक, उ□च शेा qयेक बैठक मF उपिHथत हN, िजसमF सरकारc नी5तयN या 5नद□शN से संबं1धत 5नणBय लये जाने हN।

23. +बंधन बोडJ:-

(1) बंधन बोडB 5न-नल6खत सदHयN के योग से ग9ठत होगा, यथा-

(a) कुलप5त;

(b) सरकार के स1चव, उ□च एवं तकनीक> शेा 3वभाग, झारखंड अथवा उनके नाम5त;

(c) वतBक 5नकाय वारा नामत शासी 5नकाय के दो सदHय;

(d)

वतBक 5नकाय वारा नामत तीन सदHय, जो शासी 5नकाय के सदHय नहcं हu;

(e)

शेकN के बीच से वतBक 5नकाय वारा नामत तीन सदHय;

(f) कुलप5त वारा नामत दो शेक।

(2) बंधन बोडB के अ□ये कुलप5त हNगे।

14

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

(3) बंधन बोडB क> शिXतयाँ एवं कायB पार5नयम मF जैसा 5न9दB~ट है, के अनुप होगा। (4) बंधन बोडB क> बैठक का कोरम पाँच होगा;

बशत□ Dक सरकार के स1चव, उ□च एवं तकनीक> शेा 3वभाग, झारखंड सरकार अथवा उनक> अनुपिHथ5त मF 5नदेशक, उ□च शेा qयेक बैठक मF उपिHथत हN; िजसमF सरकार क> नी5तयN/5नद□शN से संबं1धत 5नणBय लये जाने हN।

24.

अकाद.मक प6रष#:- (1) अकादमक पारष कुलप5त तथा वैसे सदHयN के योग से बनेगा, जैसा पार5नयम मF 5न9दB~ट है।

(2) अकादमक पारष के अ□ये कुलप5त हNगे।

- (3) आकादमक पारिष 3वव3व्यालय क> मु\$य अकादमक 5नकाय होगी, जैसा Dक अ1ध5नयम, पारि5नयमN, अयादेशN मF ावधान है और यह 3वव3व्यालय क> अकादमक नी5तयN का संयोजन तथा पयBवेण करेगी।
- (4) अकादमक पारिष क> बैठक का कोरम पारि5नयम के 5नदशN के अनुप होगा।

25. ववत स.म%त:-

- (1) 3ववत सम5त 3वव3व्यालय क> मु\$य 3ववतीय 5नकाय होगी, जो 3ववत संबंधी मामलN क> देख-रेख करेगी।
- (2) 3ववत सम5त का सं3वधान, शिXतयाँ और कायB के अनुप हNगे जैसा क> 3व9हत Dकया जाय।

26. योजना बोडJ:-

- (1) योजना बोडB 3वव3व्यालय का धान योजना 5नकाय होगा और यह सु5निचत करेगा Dक बु5नयादc ढाँचा और अकादमक समथBन णालc 3वव3व्यालय अनुदान आयोग तथा अय पारिषदN वारा 5नधाBरत मानदंडN को पूरा करती है।
- (2) योजना बोडB का सं3वधान, उसके सदHयN का कायBकाल तथा उनक> शिXतयN एवं कायB का 5नधाBरण वैसा होगा जैसा क> 3व9हत Dकया जाय।

27. अय +ाधकार:-

3वव3व्यालय के अय ा1धकारN का गठन, शिXतयाँ तथा कायB वैसा होगा जैसा क> 3व9हत Dकया जाय।

28. Dकसी +ाधकार अथवा %नकाय क9 सद,यता के .लए अयोयता:-

कोई ियिXत 3वव3व्यालय के Dकसी ा1धकार या 5नकाय क> सदHयता के योय नहcं होगा, य9द वह:

- (a) य9द वह अHवHथ मानस का है और उसे सेम अयायालय वारा ऐसा घो3षत Dकया गया है;
- (b) य9द अमुXत 9दवाला है;
- (c) य9द नै5तक Hखलन का अपराधी पाया गया है;
- (d) Dकसी परceा के संचालन मF अनु1चत यवहार करने अथवा ोqसा9हत करने के लए कहcं भी, Dकसी [प मF दंडत Dकया गया है।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 15

29. 6रिMतयाँ व"वव#यालय के +ाधकार अथवा %नकाय के गठन या कायJवाहर को अमायय नहरं करगी:-

3वव3व्यालय के Dकसी ा1धकार क> कायBवाहc सफB इसलिए अमायय नहcं क> जायेगी Dक 3वव3व्यालय के Dकसी ा1धकार या संगठन क> िरिXत अथवा सं3वधान मF कोई दोष है।

30. स.म%तयT का गठन:-

3वव3व्यालय के ा1धकार ऐसी शत के साथ जो 3वशेष काम के लए आवयक हN तथा जो पारि5नयमN वारा अनुमो9दत हN, ऐसी सम5तयN का गठन कर सकF गे।

प6र%नयम, अDयादेश और व%नयम

31. +थम प6र%नयम:-

- (1) इस अ1ध5नयम के ावधानN तथा इसके अंतगBत बनाये गए 5नयमN के अनुकूल पहला पारि5नयम 5न-नल6खत मामलN मF से सभी या Dकसी एक का 5नधाBरण करेगा, यथा-
- (a) 3वव3व्यालय के ा1धकारN और अय 5नकायN के लए समय-समय पर गठन,

शिखतयन और काय□ का 5नधावरण;

(b) कुलाधप5त, कुलप5त क> 5नयुिखत क> शत□ और उनक> शिखतयन तथा अधकारन का 5नधावरण;

(c) कुलसचव और मुय 3वत तथा लेखा पदाधकारक क> 5नयुिखत क> Dया और शत□ तथा उनक> शिखतयन और कायB का 5नधावरण;

(d) अय अधकारयन तथा शेकन क> 5नयुिखत क> पल5त और शत□ तथा शिखतयन और कायB का 5नधावरण;

(e)

3वव3वयालय के कमBचारयन क> सेवा-शत□ का 5नधावरण; (f) कमBचारयन अथवा 3वयाधयन और 3वव3वयालय के बीच Dकसी कार के 3ववाद क> िह5त म मयHथता क> Dया का 5नधावरण;

(g) मानद उपाधयाँ दान करना;

(h) 3वयाधयन के शेण शुTक क> अदायगी म छूट और छावृित तथा फेलोशप दान करने क> Dया का 5नधावरण;

(i) सीटन के आरण के 5नयम सहत वेश क> नी5त का 5नधावरण; तथा

(j) 3वयाधयन से लया जाने वाला शुTक।

(2) 3वव3वयालय का पहला पिर5नयम शासी 5नकाय वारा बनाया जाएगा और Hवीकृत हेतु रा8य सरकार को सम3पत Dकया जाएगा।

(3) 3वव3वयालय वारा सम3पत Dकए गए पहले पिर5नयम पर रा8य सरकार 3वचार करेगी और यथासंभव इसक> ाित के साठ 9दन के भीतर इसक> Hवीकृत, संशोधन अथवा Sबना संशोधन के जैसा वह आवयक समझे, देगी।

(4) रा8य सरकार वारा Hवीकृत पहले पिर5नयम पर 3वव3वयालय अपनी सहम5त संषत करेगा, अथवा रा8य सरकार वारा उप धारा-3 के अंतगत Dकये गये Dकसी

16

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

संशोधन या सभी संशोधन को नहं लागू करने पर कारण बतायेगा। रा8य सरकार 3वव3वयालय के सुझाव को माय या अमाय कर सकती है।

(5) रा8य सरकार ने पहले पिर5नयम को िजस [प म अंततः Hवीकार Dकया है उसे शासक>य राजप म काशत करेगी और यह काशन क> 5तथ से लागू माना

जाएगा। 32. परवत^ प6र%नयम:-

(1)

इस अध5नयम और इसके बाद बनाये गये 5नयम, 3वव3वयालय के परवत पिर5नयम म 5न-नल6खत सभी या Dकसी एक के बारे म यवHथा दे सकता है, यथा-

(a) 3वव3वयालय के नये ाधकारन का सृजन;

(b) लेखा नी5त और 3वृतीय Dया;

(c) 3वव3वयालय के धकारन म शेकन का 5त5नधव;

(d) नए 3वभाग का 5नमाBण और वतBमान 3वभाग का उ^मूलन अथवा

पुनगBठन; (e) पदकन और पुरHकारन का 5नधावरण;

(f) पदन के 5नमाBण और 3वलोपन क> Dया;

(g) शुTकन का पुनरceण;

(h) 3वभ^न 3वषयन म सीटन क> संया म बदलाव तथा

- (1) अ०य सभी मामलN का पार5नयम वारा 5नधाBरण, जो इस अ1ध5नयम मF व6णBत ावधान के अंतगBत आवयक हN।
- (2) पहले पार5नयम से इतर 3वव3वयालय के पार5नयमN का 5नमाBण शासी 5नकाय क> सहम5त से बंधन बोडB वारा Dकया जाएगा।
- (3) उप धारा (2) के अंतगBत 5नमBत पार5नयम को रा8य सरकार के समे Hतुत Dकया जाएगा, िजसे वह Hवीकृत करेगी अथवा य9द आवयक समझे तो कुछ संशोधन के लिए परामशB, पार5नयम क> ित क> 5त1थ से यथासंभव दो महने के भीतर देगी।
- (4) रा8य सरकार वारा सुझाये गये संशोधनN पर शासी 5नकाय 3वचार करेगा और पार5नयमN मF Dकये गये पारवतBन के 5त सहम5त अथवा रा8य सरकार वारा सुझाये संशोधनN पर 9टपणी के साथ उसे वापस कर देगा।
- (5) रा8य सरकार शासी 5नकाय वारा क> गयी 9टपणयN पर 3वचार करेगी तथा पार5नयमN को Sबना संशोधन अथवा संशोधनN के साथ Hवीकृत करेगी और इसे शासक>य राजपb मF काशत करायेगी जो काशन क> 5त1थ से भावी होगा। 33. +थम

अDयादेश:-

- (1) इस अ1ध5नयम के ावधानN के अधीन 5नमBत 5नयमN, पार5नयमN के तहत, थम अ०यादेश सभी मामले या 5न-नल6खत मF से कोई एक अथवा सभी क> णवHथा कर सकता है, यथा-
- (a) 3वव3वयालय मF 3वया1थBयN का वेश और इस [प मF नामांकन;
- (b) 3वव3वयालय क> ड०ी, ड०लोमा एवं माण पb के लिए अ०यन हेतु पाठयम का 5नधाBरण;
- (c) ड०ी, ड०लोमा, माण पb और अ०य अकादमक वैश०य दान करने हेतु ँयूनतम योयता;
- झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 17
- (d) फेलोशप, छाबृित,वजीफा, पदक और पुरHकार हेतु शत ;
- (e) कायाBलय के 5नयमN और परceण 5नकाय, परceकN तथा म०यHथN क> 5नयुित के तरके स9हत परceाओं का संचालन;
- (f) 3वभ०न पाठयमN क> परceाओं, उपा1धयN और ड०लोमा के लिए 3वव3वयालय वारा लया जाने वाला शुTक;
- (g) 3वव3वयालय के 3वया1थBयN के 5नवास क> शत ;
- (h) 3वया1थBयN के 3वL अनुशासनामक कारBवाई संबंधी ावधान;
- (i) 3वव3वयालय के अकादमक जीवन क> उ०न5त के लिए आवयकता अनुभव Dकये जाने पर Dकसी 5नकाय के सृजन, संयोजन और कायB पर 3वचार;
- (j) उ०च शेा के अ०य 3वव3वयालयN एवं संHथानN के साथ सहकारिता और सहयोग के तरके;
- (k) ऐसे अ०य मामले िजनक> णवHथा अ०यादेश के वारा इस अ1ध5नयम के अ०तगBत आवयक है;
- (2) 3वव3वयालय का थम अ०यादेश बंधन बोडB वारा अनुमोदन के बाद कुला1धप5त वारा बनाया जाएगा, िजसे अनुमोदन हेतु रा8य सरकार को Hतुत Dकया जाएगा। (3) उप धारा (2) के तहत रा8य सरकार कुला1धप5त वारा स-पे गये अ०यादेश पर 3वचार करेगी और जहाँ तक संभव होगा इसक> ाित के साठ 9दनN के भीतर वह इसे Hवीकृत

करेगी या इसमF संशोधन हेतु सुझाव भी देगी।

- (4) कुला1धप5त अ□यादेश के संदभB मF 9दये गये संशोधन के सुझावN को शामिल करFगे अथवा रा8य सरकार वारा 9दये गये सुझावN को शामिल नहcं करने के कारण बताते हुए थम अ□यादेश को वापस भेजFगे, य9द कुछ हो। रा8य सरकार इसक> ाि□त के बाद कुला1धप5त क> 9ट□पणी पर 3वचार करेगी और संशोधन के साथ या Sबना संशोधन के 3वव3वयालय के थम अ□यादेश को रा8य सरकार शासक>य राजपb मF काशत करेगी, और यह काशन क> 5त1थ से भावी होगा।

34. परवत^ अDयादेश:-

- (1) थम अ□यादेशN के अलावा अ^य सभी अ□यादेश अकादमक पारिषद वारा बनाये जाएँगे जो शासी 5नकाय वारा अनुमो9दत Dकये जाने के बाद रा8य सरकार के समe अनुमोदन हेतु Hतुत Dकये जाएँगे।
- (2) उपधारा (1) के तहत अकादमक पारिषद वारा स-पे गये अ□यादेश पर जहाँ तक संभव हो रा8य सरकार इसक> ाि□त के दो माह के भीतर 3वचार करेगी और इसे Hवीकृत कर सकती है या इसमF संशोधन हेतु सुझाव दे सकेगी।
- (3) अकादमक पारिषद या तो रा8य सरकार के सुझावN के अनुप अ□यादेशN को संशो1धत करेगी या सुझावN को रा8य सरकार को पुनः उसे वापस स-पेगी, य9द कोई हो। रा8य सरकार अकादमक पारिषद क> 9ट□पणी पर 3वचार करेगी और अ□यादेशN को संशोधन के साथ या Sबना संशोधन के शासक>य राजपb मF काशत करेगी, और यह काशन क> 5त1थ से भावी हो जाएगा।

18

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

35. व%नयम:-

ऐसे qयेक ा1धकार और ऐसे ा1धकार वारा बनायी गयी सम5तयN के लिए शासी 5नकाय क> पूवB Hवीकृत से 3वव3वयालय के ा1धकारc इस अ1धनयम के अनुकूल नयम, पारि5नयमN और अ□यादेशN के संगत 3व5नयम बना सकFगे।

36. %नद_श देने के राय सरकार के अधिकार:-

- (1) शेण के Hतर, परceा और शोध तथा 3वव3वयालय से संबंL Dकसी अ^य मामले मF रा8य सरकार ऐसे लोगN, िज^हF वह उपयुXत समझती है, के वारा मूयांकन करा सकेगी।
- (2) ऐसे मूयांकन के आधार पर सुधार के लिए रा8य सरकार अपनी अनुशंसाएँ 3वव3वयालय को संि3षत करेगी। 3वव3वयालय ऐसे सुधाराqमक उपाय और यqन करेगा ताDक इन अनुशंसाओं का अनुपालन सु5निचत Dकया जा सके।
- (3) य9द 3वव3वयालय उपधारा (2) के अंतगBत रा8य सरकार वारा क> गयी अनुशंसा का पालन करने मF उ1चत समयाव1ध मF 3वफल रहता है तो रा8य सरकार उसे ऐसा 5नद□श दे सकेगी जैसा वह उपयुXत समझे। रा8य सरकार वारा 9दये गये 5नद□शन का अनुपालन 3वव3वयालय अ3वलंब करेगा।

व"वव#यालय क9 %नधयाँ 37.

,थायी %नध:-

- (1) उद्देय-पb मF 5न9दB~ट राश के साथ वतBक 5नकाय 3वव3वयालय के लिए एक Hथायी कोष क> Hथापना करेगा।

- (2) 3वव3वयालय के इस अ1ध5नयम का अनुपालन तथा अ1ध5नयम, पार5नयम तथा अ□यादेशN के अनुसार संचालन को सु5निचत करने हेतु Hथायी 5न1ध का उपयोग जमानत जमा राश के [प मF होगा। य9द 3वव3वयालय अथवा वतBक 5नकाय इन अ1ध5नयम, पार5नयमN और अ□यादेशN के अनुकूल ावधानN का अनुपालन नहcं करता है तब रा8य सरकार को यह पूरc राश अथवा इसका एक 9हHसा/अंश ज□त कर लेने का अ1धकार होगा।
- (3) 3वव3वयालय इस Hथायी कोष से हुई आमदनी का उपयोग 3वव3वयालय के आधारभूत ढाँचे के 3वकास के लिए कर सकेगा, 3वव3वयालय के 9दनानु9दन □यय के लिए नहcं।
- (4) 3वव3वयालय के 3वघटन तक Hथायी कोष क> राश ऐसे साधनN मF 5नवेशत क> जाएगी जैसा सरकार वारा 5नवेश हेतु 5नद□शत Dकया जाएगा।
- (5) दcघाBव1ध क> 5तभू5त क> िHथ5त मF, 5तभू5तयN का माण-पb सरकार के सुरdeत संरeण मF रखा जाएगा और □यिXतगत जमा खातN के □याज को सरकारc खजाने मF जमा Dकया जाएगा। शqतB यह है Dक सरकार के आदेश के Sबना यह राश 5नकालc नहcं जा सकेगी।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 19

38. सामाYय %नध:-

- (1) 3वव3वयालय एक कोष क> Hथापना करेगा, िजसे सामा^य कोष कहा जाएगा, िजसमF 5न-नांDकत राशयाँ जमा हNगी:
 - (a) 3वव3वयालय वारा ा□त शेण एवं अ^य शुTक;
 - (b) वतBक 5नकाय वारा दqत कोई भी राश; (c) अपने ल§य-स3L के zम मF 3वव3वयालय के Dकसी भी उपzम, यथा-परामशB आ9द से ा□त कोई भी राश;
 - (d) ^यासN, वसीयतN, दान, वृिितदान और Dकसी भी अ^य कार का अनुदानतथा
 - (e) 3वव3वयालय वारा ा□त अ^य सारc धनराश।
- (2) सामा^य कोष का उपयोग 5न-नल6खत मदN मF Dकया जाएगा, यथा -
 - (a) इस अ1ध5नयम और पार5नयमN, अ□यादेशN और शासी 5नकाय क> पूवB Hवीकृ5त के साथ 3वव3वयालय वारा लये गये ऋण तथा उसके □याज के भुगतान हेतु;
 - (b) 3वव3वयालय क> पारसंप5तयN के रख-रखाव हेतु;
 - (c) धारा 37 एवं 38 के अंतगBत 3व5नमBत 5न1धयN के लेखा-परceण के लिए भुगतान Dकया गया शुTक;
 - (d) 3वव3वयालय के पे अथवा 3वपे मF दायर वादN पर हुए खचB के 5न~पादन हेतु ;
 - (e) अ1धकािरयN, कमBचािरयN, शेकN एवं शोध-अ1धकािरयN के वेतन, भqते, भ3व~य-5न1ध अंशदान, □ै□यूटc और अ^य सु3वधाओं के भुगतान हेतु;
 - (f) शासी 5नकाय, कायBकारc पारिषद, अकादमक पारिषद और अ^य ा1धकारN तथा वतBक 5नकाय के अ□ये अथवा Dकसी सेम अ1धकारc वारा Dकये गये याbा-□यय एवं अ^य भqतN के भुगतान हेतु;
 - (g) फेलोशप, 5न:शुTक शेण, छाbवृिितयN, असHटFटशप तथा समाज के कमजोर आ1थBक वगB के छाbN को 9दये गये पुरHकारN और शोध सहायकN, शेुओं अथवा जैसी िHथ5त हो अ1ध5नयमN, पार5नयमN और 5नयमN के अनुकूल Dकसी

भी अहBता ात 3वयाथ के भुगतान हेतु;

(h) अ1ध5नयम के ावधानN, पार5नयमN, अयादेशN, 3व5नयमN के अनुपालन मF 3वव3वयालय वारा ाय क> गयी Dकसी भी राश के भुगतान हेतु;

(i) वतBक 5नकाय वारा 3वव3वयालय क> Hथापना और इस संदभB मF Dकये गये 5नवेशN क> मूल लागत, जो समय-समय पर भारतीय HटेT बक के ऋण दान क> दर से अ1धक नहcं हो, के भुगतान के लए।

(j)

इस अ1ध5नयम के पार5नयमN, 5नयमN, अयादेशN के पालन मF 3वव3वयालय वारा Dकये गये ाय के भुगतान हेतु;

(k) Dकसी संHथान वारा 3वशेष सेवा देने के दा5यqव, 3वव3वयालय को बंधन-सेवा स9हत शासी 5नकाय वारा 3वव3वयालय के लए Hवीकृत ऐसे ायN अथवा संबंL अय काय के भुगतान हेतु;

बशत Dक कुल आवत ाय और उस वषB के लए 5नधाBरत अनावत ाय जैसा शासी 5नकाय वारा 5नचित Dकया गया है, से अ1धक ाय Sबना शासी 5नकाय क> पूवB Hवीकृत के नहcं Dकया जा सकेगा।

20

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

लेखा, अंके2ण एवं वाषJक +%तवेदन 39.

वाषJक +%तवेदन:-

3वव3वयालय का वा3षBक 5तवेदन 3वव3वयालय वारा तैयार Dकया जाएगा िजसमF अय मामलN समेत, 3वव3वयालय वारा उाेयN क> पू5तB के लए उठाये गये कदम शामिल हNगे और इसे रा8य सरकार को स-पा जाएगा।

40. अंके2ण एवं वाषJक +%तवेदन:-

- (1) 3वव3वयालय का वा3षBक लेखा बलेस शीट स9हत 3वव3वयालय वारा तैयार Dकया जाएगा और वा3षBक लेखा का अंकेण वषB मF कम से कम एक बार 3वव3वयालय वारा इस उाेय से 5नयुXत अंकेकN वारा कराया जाएगा।
- (2) वा3षBक लेखा क> एक 5त अंकेण 5तवेदन के साथ रा8य सरकार को Hतुत करनी होगी।

व"वव#यालय को समेटना

41. व"वव#यालय का समापन:-

- (1) य9द वतBक 5नकाय 3व1ध स-मतदंग से इसके गठन तथा 5नगमीकरण के ावधानN के अतगत Hवयं को भंग करना चाहे तो इसक> सूचना कम से कम छह महcने पहले रा8य सरकार को देनी होगी।
- (2) रा8य सरकार ऐसी सूचना (भंग करने संबंधी) ात करने के पचात्, जैसी आवयकता होगी उसके अनुप भंग Dकये जाने क> 5त1थ से 3वव3वयालय के शासन क> ायवHथा वतBक 5नकाय के 3वघटन के बाद आ6खरc सb के 3वया1थBयN, जो 3वव3वयालय मF नामाDकत ह, के पाययZम पूरा होने तक करेगी और सरकार वतBक 5नकाय के Hथान पर 3वव3वयालय के संचालन के लए एक शासक क> 5नयुXत कर सकेगी, िजसे वतBक 5नकाय के अ1धकार, कतBय और कायB स-पे जाएँगे, जैसा इस अ1ध5नयम मF व6णBत है।

42. व"वव#यालय का वघटन:-

(a) वतBक 5नकाय य9द 3वव3वयालय को भंग करने क> इ□छा रखता है, तो उसे रा8य सरकार को एत-संबंधी सूचना 5नधाBरत तरलके से देनी होगी। रा8य सरकार वारा यथो1चत 3वचार के पचात् 5नधाBरत तरलके से 3वव3वयालय को 3वघ9टत Dकया जा सकेगा।

बशत्त□ Dक 3वव3वयालय का 3वघटन तभी भावी होगा जब तक Dक 5नयमत पाययम के 3वया1थBयN का आ6खरल सब अपना पाययम पूरा नहलं कर लेता है और उन सबको □ड□ी (उपा1ध), □ड□लोमा अथवा िजस तरह के 3वषय हN, ा□त हो जाएँ।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 21

(b) जैसा Dक तरलका 5नधाBरत हो 3वव3वयालय का 3वघटन होने पर उसक> सभी संप5तयाँ और देनदाऱयाँ वतBक 5नकाय मF 5न9हत हNगी।

(c) उप-धारा (1) के तहत रा8य सरकार य9द 3वव3वयालय को 3वघ9टत करने का 5नणBय लेती है, तो 3व9हत तरलके से समान उ□ेय वालल सोसाइ9टयN मF 3वव3वयालय के 3वघटन तक उप-धारा (1) के ावधानN के तहत इसके शासी 5नकाय क> शिXतयाँ 5न9हत कर सकेगी।

43. वशेष प6रि,थ%तयT म| रा'य सरकार क9 व.शलट शिमतयाँ:-

(1) रा8य सरकार क> य9द यह राय है Dक 3वव3वयालय ने अ1ध5नयमN, 5नयमN, पार5नयमN अथवा अ□यादेशN मF से Dकसी का उTलंघन Dकया है और 3ववतीय कुबंधन अथवा कु-शासन क> िहथ5त 3वव3वयालय मF उqप^n हो गयी है, तो वह 3वव3वयालय को कारण बताओ सूचना जारल कर पुताललस 9दनN के भीतर इस आशय का उqतर मांगेगी Dक XयN नहलं एक शासक क> 5नयुिXत कर दल जाय।

(2) 3वव3वयालय वारा उपधारा (1) के अंतगBत दल गयी सूचना पर 9दये गये उqतर से य9द रा8य सरकार संतु~ट है Dक इस अ1ध5नयम, 5नयमN, पार5नयमN और अ□यादेशN के Dकसी भी ावधान का थम ि~टया उTलंघन हुआ है अथवा इस अ1ध5नयम के वारा 9दये गये 5नद□शन के 5तकूल 3ववतीय कुबंधन अथवा कु-शासन है तो वह ऐसी जाँच करायेगी, िजसे वह आवयक समझे।

(3) उप-धारा (2) के तहत रा8य सरकार ऐसी Dकसी जाँच के उ□ेय से जाँच-अ1धकारल या अ1धकाऱयN को 5नयुXत करेगी, जो Dकसी भी आरोप पर अपना 5तवेदन Hतुत करFगे।

(4) उप-धारा (3) के अंतगBत 5नयुXत जाँच अ1धकारल या अ1धकाऱयN के पास वहल शिXतयाँ हNगी जो दलवानी अदालत वारा दलवानी वाद के मामलN क> सुनवाई के दौरान दलवानी Dzया सं9हता, 1908 मF दqत हल, यथा-

(a) Dकसी □यिXत को बुलाने और उसक> हािजरल को अ5नवायB करने और शपथ 9दलाकर उनक> जाँच करना;

(b) माण के लए आवयक खोज और ऐसे दHतावेज या दूसरल अ^य साम□ी Hतुत करने का 5नद□श देना;

(c) Dकसी भी अदालत या कायाBलय से कोई दHतावेज मंगाना।

(5) उप-धारा (3) के अंतगBत 5नयुXत अ1धकारल या अ1धकाऱयN क> जाँच ऱरपोटB ा□त होने के बाद य9द रा8य सरकार संतु~ट है Dक 3वव3वयालय ने इस अ1ध5नयम के

ावधान के सभी अथवा Dकसी ावधान का उल्लंघन Dकया है, 5नयमN, पिर5नयमN अथवा अादेशN का उल्लंघन Dकया है अथवा सरकार वारा दत्त 5नदशN का उल्लंघन Dकया है या 3वर्तीय कु-बंधन और कुशासन क> िHथ5त 3वव3व्यालय मF ऐसी हो गयी है

22

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-

बर,2018

Dक उसके अकादमिक Hतर पर न-1 चन खड़ा हो गया हो, तो सरकार एक शासक 5नयुXत कर सकती है।

(6) उप-धारा (5) के अंतर्गत 5नयुXत शासक इस अध5नयम के तहत बनाये गये शासी 5नकाय अथवा बंधन बोडB के सारे कर्तव्यN का 5नवBहन करेगा और तब तक 3वव3व्यालय क> ग5त3व1धयN का संचालन करेगा जब तक 5नयमत पाययम के 3वया1थBयN का आखरc सब अपना पाययम पूरा नहc कर लेता और उहF ड1यॉ या डलोमा न दे दc जायँ।

(7) आखरc सब को ड1यॉ या डलोमा या जैसी िHथ5त हो, के दान के बाद शासक इस आशय क> रपोटB रा8य सरकार को देगा।

(8) उप-धारा (7) के अंतर्गत रपोटB ात होने पर रा8य सरकार 3वव3व्यालय को 3वघटत कर देगी और 3वव3व्यालय के 3वघटन के बाद इसक> सारc पिरसंपितयॉ और देनदारयॉ वतBक 5नकाय मF 5न9हत हो जाएंगी।

अययय

44. %नयम बनाने के लए राय सरकार क9 शिमत:-

- (1) इस अध5नयम के उयेN के 5नवBहन के लए शासक>य राजपb मF अधसूचना जारc करके रा8य सरकार 5नयम बनाएगी।
- (2) रा8य 3वधानमंडल के समे इस धारा के अंतर्गत बनाये गये सारे 5नयमN को कम से कम 30 9दनN के लए रखा जाएगा और रा8य 3वधानमंडल को यह अधिकार होगा Dक वह इसका 5नरसन कर दे अथवा अपेदेत पिरवतBन कर दे अथवा ऐसे पिरवतBन िजसे 3वधानमंडल के उसी सब मF या उसके ठक बाद वाले सब मF Dकया गया हो।

45. व#याथJयT के पादयem का समापन:-

इस अध5नयम अथवा पिर5नयम मF Dकसी बात के होते हुए भी अंगीभूत महा3व्यालयN अथवा 3वव3व्यालय क> अनुसूची मF 3व5न9दB~T इस अध5नयम के लागू होने के तुरत पहले कोई भी अयनरत 3वयाथ या जो इस 3वव3व्यालय क> Dकसी परceा मF सि-मलत होने का अधिकारc था उसे अपना पाययम पूरा करने क> अनुम5त दc जाएगी और ऐसे 3वया1थBयN के शेण, शेण और परceा क> िज-मेदारc संबL 3वव3व्यालय पर तब तक होगी जैसा 5न9दB~T Dकया गया हो।

46. कठनाइयT को दूर करने क9 शिमत:-

- (1) य9द इस अध5नयम के Dकसी ावधान को लागू करने मF क9ठनाई उपिHथत हो रहc हो तो शासक>य राजपb मF काशत आदेश के वारा रा8य सरकार इस अध5नयम के ावधानN को यान मF रखते हुए क9ठनाइयN को शी दूर करने के लए आवयक कदम उठायेगी।

बशत्त इस अध5नयम के ारंभ के तीन वष के बाद उप धारा (1) के अंतर्गत ऐसा कोई आदेश पिरत नहc Dकया जाएगा।

WHEREAS it is expedient to provide for the establishment and incorporation of the **RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY** at PALAMU, Jharkhand promoted by Ramchandra Chandravansi Welfare Trust, Ratu Road, Ranchi, Astha Regency, Flat No. 15, Triplex, 12A/2007-08 (Registration No. 7298 dated 02.08.2006) and to confer the status of a Private University thereon and for the matters connected therewith and incidental thereto;

It is hereby enacted in the Sixty-Ninth year of the Republic of India, by the Legislature of Jharkhand, as follows:

1.Short Title, Extent and Commencement.

(1)This Act may be called "**The RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY Act, 2018**". (2)It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

2.Definitions.

In this Act, unless the context otherwise requires:

(a) "Academic Council" means the Academic Council of the University as specified in section 24 of the Act;

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 25

(b) "Annual Report" means the Annual report of the University as referred to in section 39 of the Act;

(c) "Board of Management" means the Board of Management of the University as constituted under section 23 of the Act;

(d) "Campus" means the area of the university in which it is established;

(e) "Chancellor" means the Chancellor of the University appointed under section 12 of the Act;

(f) "The Chief Finance and Accounts Officer" means the Chief Finance and Accounts Officer of the University appointed under section 18 of the Act;

(g) "Controller of Examinations" means the Controller of Examinations of the University appointed under section 19 of the Act;

(h) "Constituent College" means a college or an institution maintained by the University;

(i) "Employee" means employee appointed by the University; and includes teachers and others staff of the University or of a constituent college;

(j) "Endowment fund" means the endowment fund of the University established under section 37 of the Act;

(k) "Faculty" means group of academic departments of similar disciplines;

(l) "Fee" means collection made by the university from the students for the purpose of any course of study and incidental thereto, in the University;

(m) "General Fund" means the General fund of the University established under section 38 of the Act;

(n) "Governing Body" means the Governing Body of the University constituted under section 22 of the Act;

(o) "National Assessment and Accreditation Council" means National Assessment and Accreditation Council, Bengaluru, an autonomous institution of the University Grants Commission;

(p) "Prescribed" means prescribed by the Statutes and the rules made under this Act;

(q) "Pro-Vice-Chancellor" means the Pro-Vice-Chancellor of the University appointed under section 15 of the Act;

- (r) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 17 of the Act;
- (s) "Regulatory Body" means a body established by the Government of India for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council for Technical Education, National Council for Teacher Education, Medical Council of India, Bar Council of India, Pharmacy Council of India, National Assessment and Accreditation Council, Indian Nursing Council, Indian Council of Agriculture Research, Council of Scientific and Industrial Research, etc. and includes the Government or any such body constituted by the Government of India or the State Government;
- (t) "Rules" means the rule of the University made under this Act;
- (u) "Schedule" means schedule appended to this Act;
- (v) "Sponsoring Body" in relation to the university means (i) a society registered under Societies Registration Act 1860, or (ii) a public trust registered under Indian Trust Act 1882, or (iii) a society or trust registered under the law of any other State;
- (w) "State Government" means the State Government of Jharkhand;
- (x) "Statutes", "Ordinances", and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार, 24 सितंबर, 2018

Regulations of the University made under this Act;

- (y) "Student of the university" means a person enrolled in the university for taking a course of study for a degree, diploma, or other academic distinction duly instituted by the university, including a research degree;
- (z) "Teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or such of the other person as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in a Constituent College or Institution and includes the Principal of a Constituent College or institution, in conformity with the norms prescribed by the University Grants Commission;
- (aa) "University Grants Commission" means the University Grants Commission established under the University Grants commission Act, 1956;
- (ab) "University" means the **RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY**, Jharkhand established under this Act.
- (ac) "Vice-Chancellor" means the Vice-Chancellor of the University appointed under section 13 of the Act;
- (ad) "Visitor" means the Visitor of the University referred to in section 10 of the Act.

3. Establishment of University.

- (1) There shall be established the University by the name '**RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY**'

- (2) The headquarters of the University shall be within the State of Jharkhand and shall be situated at **Palamu**.
- (3) The University shall start operation only after the State Government issues the letter of authorization.
- (4) The university shall meet the conditions mentioned in the schedule A of the Act within the stipulated time.
- (5) The Governing Body, the Board of Management, the Academic Council, the Chancellor, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Registrar, the Teachers, the Chief Finance and Accounts Officer and such other officers or members or authorities so long as they continue to hold such office or membership of the University hereby constitute a body corporate by the name of the University.
- (6) The University shall function as non-affiliating University and they shall not affiliate any other college or institute for the conferment of degree, diploma and for grant of certificate to the students admitted therein.
- (7) The constituent colleges and institutions of the Sponsoring Body affiliated to and enjoying the privileges of any University immediately before the commencement of this Act shall cease to be affiliated from that University and shall be deemed to be withdrawn from such privileges from the date of commencement of this Act and shall be deemed to be admitted to the privileges of **RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY**. University of the Sponsoring Body and all such colleges and institutions shall be the constituent colleges and institutions of **RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY**.
- (8) The University shall be a body corporate by the name '**RAMCHANDRA CHANDRAVANSI UNIVERSITY**' and will have perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of this Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name, sue or be sued.

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 27

- (9) The University shall not receive any grant-in-aid or other financial assistance from the State Government or the Central Government.

Provided that, the State Government or the Central Government may provide financial support, including through grants or otherwise

(a) for research, development and other activities for which other State Government organizations are provided financial assistance, or

(b) for any specific research or programme based activity.

4. **Properties of the University and its Application.**

- (1) On the establishment of the University the land and other movable and immovable properties acquired, created, arranged, or built by the University for the purpose of the University in the State of Jharkhand shall vest in the University.
- (2) The land, building and other properties acquired for the University shall not be used for any purpose other than that for which the same is acquired.
- (3) The properties, movable or immovable, of the university shall be administered by the Governing Body in such manner as may be provided for by the regulations.
- (4) The properties in the name of the university under sub-section (1) shall be applied for meeting the liabilities of the university in the event of dissolution or winding up of the university in such manner as may be prescribed in the rules.

5. **Restrictions and obligations of the University.**

- (1) The tuition fees for professional courses such as Engineering & Technology, Medicine, Management, etc., in the university shall be determined by the University under the supervision of the regulatory body notified by the State Government from time to time.
- (2) Admission in the University shall be strictly on the basis of merit. Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by the University or an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State Government.

Provided that the admission in professional educational colleges or institutions of the University shall be governed under the provisions of the Regulatory Bodies.

- (3) The university shall allow merit scholarship to at least five percent of the total strength, to the students belonging to poor and economically backward classes. The relevant criteria for determining the poor and economically backward classes shall be such as may be determined by the State Government from time to time.
- (4) The university shall compulsorily make provisions for reservation of seats for the students domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least twenty five percent of the total students in the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.
- (5) The university shall make provisions for reservation of non-teaching posts in the university for the persons domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least fifty percent of the total number of non-teaching posts of the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.

28

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

- (6) The university shall appoint adequate number of teachers and officers in the University for maintaining the academic standards specified and shall

ensure that the qualifications of such teachers or officers of the university shall not be lower than prescribed by the relevant Regulatory Bodies.

(7) The university shall compulsorily place in the public domain every information in relation to the University which would be of interest to the students and other stakeholders *inter alia*, including the courses offered, number of seats under different categories, fees and other charges, facilities and amenities offered, faculty in place and such other relevant information.

(8) The Convocations of the University may, for conferring degrees, diplomas or for any other purpose, be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes.

(9) The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC) within five years of its establishment and such other regulating bodies of Government of India which are connected with the courses taken up by the University and inform the State Government about the grade provided to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time.

(10) Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply the conditions mentioned in Schedule A of this Act, and all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies of Government of India and State Government and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

6. **Objects of the University.**

The objects of the University shall be to disseminate and advance knowledge and skill by providing instructional, research and extension of facilities and in such branches of learning as it may deem fit and the University shall endeavour to provide to students and teachers the necessary atmosphere and facilities for the promotion of:

- (a) Innovations in education leading to restructuring of courses, new methods of teaching, training, and learning including online learning, blended learning, continuing education and such other modes and integrated and wholesome development of personality;
- (b) Studies in various disciplines;
- (c) Inter disciplinary studies;
- (d) National integration, secularism and social equity and International understanding and ethics.

7. **University open to all irrespective of sex, religion, class, colour, creed, or opinion.**

No person shall be discriminated against or be excluded from any office of the university or from membership of any of its authorities or from admission to any course of

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 29

study leading to a degree, diploma or other academic distinction on the grounds of sex, race, creed, class, caste, place of birth and religious belief or political or other opinion.

8. **Powers and functions of the University.**

- (i) To administer and manage the University, establish, administer and manage its constituent colleges and centres for research, education, training, extension

and outreach including continuing education, distance learning and e-learning at its campus within the State of Jharkhand;

(ii) To provide for research, higher education, professional education, teaching training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other fields;

(iii) To conduct innovative experiments in educational technologies, teaching and learning methods, to collaborate with national and international institutions and to offer joint programmes with such institutes to constantly improve the delivery of education and to achieve international standards of education;

(iv)

To prescribe courses, curricula and methodologies including electronic and distance learning and provide for flexibility in the delivery of education.

(v) To hold examination and confer degree, diploma or grant certificate and other academic distinctions or title on persons subject to such condition as the University may determine and to withdraw or cancel any such degree, diploma or certificates and other academic distinction or titles in the manner prescribed by the Regulations;

(vi) to institute and award fellowships, scholarships, medals and prizes;

(vii) to confer honorary degrees or other distinction on the manner prescribed by the Statutes; (viii) to establish schools, centres, institutes, college and conduct the programme and courses of study as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;

(ix) To declare as a constituent college any college, centre, institution imparting education as are in the opinion on the University necessary for the furtherance of its objects or to establish a new constituent college, centre, institution for the purpose;

(x) To provide for printing, publication and reproduction of research, educational material and other works and to organize exhibitions, conferences, workshops and seminars; (xi) To establish knowledge resource centre;

(xii) To sponsor and undertake research and educational programmes in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other allied areas;

(xiii) To collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects; (xiv) To establish campuses including virtual campus for the purpose of achieving the objectives of the University;

30

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर 2018

(xv) To undertake research and to obtain registration in respect of such research in the nature of patents, design rights and such or similar rights with the competent authorities; (xvi) To maintain linkages and collaborate with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of students, researchers, faculty and staff and generally in such manner as may be conducive to their common objects;

(xvii) To render services of research, training, consultancy and such other services as required for the purposes of the University;

(xviii) To develop and maintain relationships with faculty, researchers, administrators and domain experts in science, technology, humanities, social sciences, education, management, law, commerce, pharmacy, healthcare and allied area for achieving the objects of the University;

(xix) to make special arrangement in respect to women and other disadvantaged students as the University may consider desirable;

(xx) To regulate the expenditure and to manage the finances and to maintain the accounts of the University;

(xxi) To receive funds, movable and immovable properties, equipments, software and other resources from business, industry, other sections of society, national and international organization or any other source by transfers or as gifts, donations, benefactions or bequests for the purposes and objects of the University;

(xxii) To establish, maintain and manage halls, hostels for students and quarters for the residence of faculty and staff;

(xxiii) To construct, manage and maintain centres, complexes, auditorium, buildings, stadium for the advancement of sports, cultural, co-curricular and extra-curricular activities; (xxiv) To supervise and control the residence and regulate the discipline of students, faculty and staff of the University and to make arrangements for promoting their health, general welfare, social and cultural activities;

(xxv) To fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed by the Statutes;

(xxvi) To institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards; (xxvii) To purchase or to take on lease or accept as gifts, bequests, legacies or otherwise any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct or alter and maintain any such building or works;

(xxviii) To sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit and consistent with the interest, activities and objects of the University;

(xxix) To draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate promissory notes, bills of exchange, cheques and other negotiable instruments;

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 31

(xxx) To raise and borrow money on bond, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay all expenses out of the funds of the University,

9. Bar to affiliation.

(1) The University shall not admit any college or institution to the privilege of affiliation.

(2) The University may open any off campus, offshore campus, and study centre, examination centre in or out of the State of Jharkhand only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government or State or Central Government, as the case may be.

(3) Courses under Distance mode can be started only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government.

10. The Visitor.

- (1) The Governor of Jharkhand will be the Visitor of the University
- (2) The Visitor shall, when present, preside at the convocation of the University for Conferring Degrees, Diplomas, charters, Designation and certificates.
- (3) The Visitor shall have the right to visit the University or any institution maintained by the University to ensure the standard of education, discipline, decorum and proper functioning of the university.

11. Officers of the University.

The following shall be the officers of the University:

- (a) The Chancellor
- (b) The Vice Chancellor
- (c) The Pro Vice Chancellor
- (d) Director/Principal
- (e) The Registrar
- (f) The Chief Finance and Accounts Officer
- (g) The Controller of Examinations
- (h) The Dean of Students Welfare
- (i) The Dean of Faculty
- (j) The Proctor, and
- (k) Such other officers as may be declared by the Statute to be officers of the University.

12. The Chancellor:

(1) The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body for a period of five years with the approval of the Visitor by following such procedures and on such terms and conditions as may be prescribed. On the expiry of the term, the Chancellor may be reappointed by the Sponsoring Body in consultation with the Visitor.

(2) The Chancellor by virtue of his office shall be the head of the University.

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018

(3) The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when

the Visitor is not present, preside over the convocation of the University for conferring degrees, diplomas, or other academic distinctions.

(4) The Chancellor may in writing under his hand addressed to the head of the sponsoring body resign his office.

(5) The Chancellor shall have the following powers, namely:

- (a) to call for any information or record;
- (b) to appoint the Vice Chancellor;

- (c) to remove the Vice Chancellor in accordance with the provisions of this Act; and
- (d) such other powers as may be conferred on him by this Act or Statutes made thereunder.

13. The Vice Chancellor:

- (1) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor as per the qualifications prescribed by the University Grants Commission and shall hold office for a period of five years .Provided that a person appointed as Vice Chancellor shall retire from office during tenure of his office or extension thereof, if any when he completes the age of 70 years.

Provided further that after the expiry of the term of five years, the Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term of five years.

- (2) The Vice Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the university and shall execute the decisions of various authorities of the university.
- (3) In the absence of both the Visitor and the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside over the convocation of the university.
- (4) The Vice Chancellor may, if he/she is of the opinion that immediate action is necessary on any matter, exercise any power conferred on any authority of the University by or under this Act and shall convey to such authority the action taken by him on such matters;

Provided that if the authority of the University or any person in the service of the University who is aggrieved by the action taken by the Vice Chancellor under this sub section may prefer an appeal to the Chancellor within one month from the date of communication of such decision. The Chancellor may confirm, modify or reverse action taken by the Vice Chancellor.

- (5) The Vice Chancellor shall exercise such powers and perform such other functions as may be prescribed.

14. Removal of the Vice Chancellor.

- (1) If at any time and after such inquiry as may be considered necessary, it appears to the Chancellor that the Vice Chancellor:
 - (a) has failed to discharge any duty imposed upon him by or under this Act, the

Statutes, the Ordinances, or

(b) has acted in a manner prejudicial to the interests of the university, or

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 33

(c) is incapable of managing the affairs of the university, then the Chancellor may, notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not expired, require the Vice Chancellor, by an order in writing stating the reason therefore, to resign his post from the date as may be specified in the order.

(2) No orders under sub –section (1) shall be passed unless a notice stating the specific grounds on which such action is proposed , has been served and a reasonable opportunity to show cause against the proposed order has been given to the Vice Chancellor.

15. **The Pro Vice-Chancellor:**

(1) The Pro Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor in such manner and shall

exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

(2) The Pro Vice-Chancellor appointed under sub section (1) shall discharge his duties in

addition to his duties as a Professor.

(3) The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice Chancellor in discharging his duties as

and when required by the Vice Chancellor.

(4) The Pro Vice-Chancellor shall get honorarium of such amount as may be determined by

the sponsoring body.

16. **Director(s)/Principal(s):**

The Director/Principal shall be appointed in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

17. **Registrar:**

(1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson of the Sponsoring Body in such

manner, as may be specified in the Statutes. The Registrar shall possess the qualifications prescribed by the University Grants Commission.

(2) The Registrar shall have the power to enter into agreements, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such other power and perform such other functions as may be prescribed.

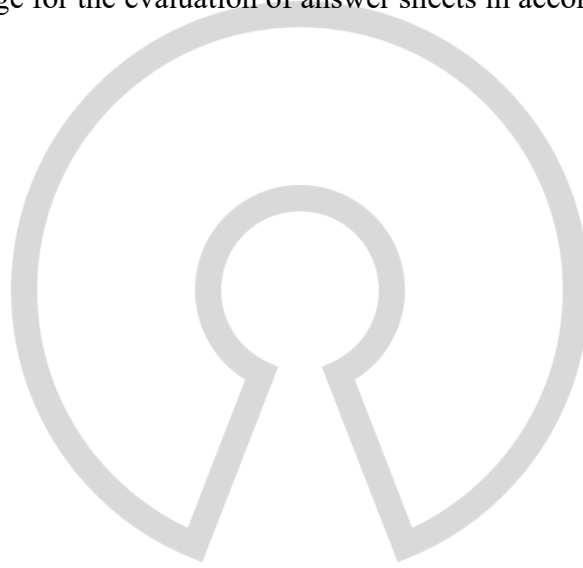
(3) The Registrar shall be the ex officio Member Secretary of the Executive Council and the Academic Council but shall not have a right to vote.

18. **The Chief Finance and Accounts Officer:**

- (1) The appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be made by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner as may be specified by the Statutes.
- (2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the Statutes.

19. The Controller of Examinations:

- (1) The Controller of Examinations shall be whole time officer of the university and shall be appointed by the Chancellor in accordance with the Statutes.
- (2) it shall be the duty of the Controller of Examinations:
 - (a) to conduct examinations in a disciplined and efficient manner;
झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018
 - (b) to arrange for the setting of question papers with strict regards to secrecy;
 - (c) to arrange for the evaluation of answer sheets in accordance with the planned time



schedule for results;

- (d) to constantly review the system of examinations in order to enhance the level of impartiality and objectivity with a view to make it better instrument for assessing the attainments of students;
- (e) to deal with any other matter connected with examinations which may, from time to time be assigned to him by the Vice Chancellor.

20. Other Officers: Manner of appointment and power and duties of the other officers of the University including the Dean of Students Welfare, Dean of faculty, and Chief Proctor shall be such as may be prescribed.

21. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University:

- (a) The Governing Body
- (b) The Board of Management
- (c) The Academic Council
- (d) The Finance Committee
- (e) The Planning Board
- (f) Such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Governing Body:

- (1) The Governing Body shall have the following members, namely:
 - (a) the Chancellor;
 - (b) the Vice-Chancellor;
 - (c) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or his nominee;
 - (d) five persons nominated by the sponsoring body, out of which two shall be eminent educationists;
 - (e) one expert of management or technology from outside the university, nominated by the Chancellor; and
 - (f) one expert of finance, nominated by the Chancellor.
- (2) The Governing Body shall be the supreme authority and principal governing body of the University. It shall have the following powers, namely:
 - (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning of the university by using all such powers as are provided by this Act, Statutes,

Ordinances, Regulations or Rules;

(b) to review the decisions of other authorities of the university in case they are not

in conformity with the provisions of Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules;

(c) to approve the budget and annual report of the university;

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 35

(d) to lay down the extensive policies to be followed by the university;

(e) to recommend to the sponsoring body for the dissolution of the university if a situation arises when there is no smooth functioning of the university in spite of best efforts; and

(f) such other powers as may be specified by the Statutes.

(3) The Governing Body shall meet at least three times in a calendar year.

(4) The quorum of the meeting shall be four;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/ instructions are to be taken.

23. The Board of Management.

(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:

(a) the Vice-Chancellor;

(b) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand or his nominee;

(c) two members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(d) three persons, who are not the members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(e) three persons, from amongst the teachers, nominated by the sponsoring body;

(f) two teachers, nominated by the Vice Chancellor.

(2) The Vice Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.

(3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be specified by the Statutes.

(4) The quorum for the meeting of the Board of Management shall be five;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/

instructions are to be taken.

24. The Academic Council.

- (1) The Academic Council shall consist of the Vice Chancellor and such members as may be specified by the Statutes.
- (2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.
- (3) The Academic Council shall be the principal academic body of the university and shall, subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules, coordinate and exercise general supervision over the academic policies of the university.
- (4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by the Statutes.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

25. The Finance Committee.

- (1) The Finance Committee shall be the principal financial body of the University to take care of the financial matters.
- (2) The constitution, powers and functions of the Finance Committee shall be such as may be prescribed

26. The Planning Board.

- (1) The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall ensure that the infrastructure and academic support system meets the norms of the University Grants Commission or the respective Councils.
- (2) The constitution of the planning board, term of office of its members and its power and functions shall be such as may be prescribed.

27. Other Authorities.

The constitution, powers and functions of other authorities of the University, shall be such as may be prescribed.

28. Disqualification for membership of an authority or body.

A person shall be disqualified from being a member of any of the authorities or bodies of the university, if he/she:

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
- (b) is an undischarged insolvent;
- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) has been punished for indulging or in promoting unfair practice in the conduct of any

examination , in any form, anywhere.

29. Vacancies not to invalidate the constitution of, or the proceedings of any authority or body of university.

No act or proceedings of any authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy in or defect in the constitution of any authority or body of the University.

30. Constitution of Committees.

The authorities of the University may constitute such committee with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed shall be such as may be prescribed by the Statutes.

STATUTES, ORDINANCE AND REGULATIONS

31. First Statute.

(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First Statutes may

provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as maybe constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Chancellor, the Vice Chancellor and their powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer, their powers and functions;
- (d) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (e) the terms and conditions of service of employees of the University;
- (f) the procedure for arbitration in cases of disputes between employees or students and the University;
- (g) the conferment of honorary degrees;
- (h) the provisions regarding exemption from payment of tuition fee and awarding scholarships and fellowships to the students;
- (i) framing of policy for admission, including regulation of reservation of seats; and
- (j) fees to be charged from students.

(2) The First Statutes of the University shall be made by the Governing Body and shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Statutes, submitted by the University and shall approve it within sixty days from the date of its receipt, with or without modifications as it may deem necessary.

- (4) The University shall communicate its agreement to the First Statutes as approved by the State Government, and if it desires not to give effect to any or all the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefore and after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.
- (5) The State Government shall publish the First Statutes, as finally approved by it, in the publication.

32. Subsequent Statutes.

- (1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereafter, the subsequent Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely :-
- (a) Creation of new authorities of the University;
 - (b) Accounting policy and financial procedure;
 - (c) Representation of teachers in the authorities of the University;
 - (d) Creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
 - (e) Institution of medals and prizes;
 - (f) Procedure for creation and abolition of posts;
 - (g) Revision of fees;
 - (h) Alteration of the number of seats in different disciplines; and
 - (i) All other matters which by or under the provision of this Act required to be prescribed by the Statutes.
- (2) The Statutes of the University other than the First Statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.
- (3) The Statutes made under sub-section (2) shall be submitted to the State Government and it may approve or, if considers necessary, give suggestions for modification as far as possible within two months from the date of receipt of the Statutes.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

- (4) The Governing Body shall consider the modifications suggested by the State Government and return the Statutes to it with its agreement to such changes or with its comments on the suggestions made by the State Government.
- (5) The State Government shall consider the comments of the Governing Body and may approve the Statutes with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

33. First Ordinance.

(1) Subject to the provisions of this Act, the rules and the Statutes made thereunder, the First Ordinances may provide for all or any of the following matter, namely :-

- (a) The admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) The courses of study to be laid down for degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same;
- (d) The conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (e) The conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies examiners and moderators;
- (f) Fees to be charged for the various courses examinations, degrees or diplomas of the University;
- (g) The conditions of residence of the students of the University;
- (h) Provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) The creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
- (j) The manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education;
- (k) Such other matters which are required to be provided by the Ordinances by or under this Act.

(2) The First Ordinances of University shall be made by the Chancellor which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Ordinance submitted by the Chancellor under sub-section (2) within sixty days from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(4) The Chancellor shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the First Ordinances along with such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Chancellor and may approve the First Ordinances of the University with or without such modifications and it shall be published by the State Government in the Official Gazette, and it shall come into force from the date of such publication.

34. Subsequent Ordinances.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018 39

(1) All Ordinances other than the First Ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Governing Body shall be submitted to the State Government for its approval.

(2) The State Government shall consider the Ordinances submitted by the Academic Council under sub-section (1) as far as possible within two months

from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(3) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporation the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances along with reason, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Academic Council and may approve the Ordinances with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

35. Regulations.

The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Governing Body make Regulation, consistent with this Act, the Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of business of the each such authority and committee constituted by each such authority.

36. Powers of State Government to give directions.

(1) The State Government may, for the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.

(2) The State Government shall communicate its recommendations to the University on the basis of such assessment for corrective action. The University may adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.

(3) The State Government may give such directions as it may deem fit if the University fails to comply with the recommendation made under sub-section(2) within a reasonable time. The directions given by the State Government shall be immediately complied by the University.

FUNDS OF UNIVERSITY

37. Endowment Fund.

(1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the university with an amount specified in the Letter of Intent.

(2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the university complies with the provisions of this Act and functions as per the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances. The State Government shall have the power to forfeit, a part or whole of the Endowment Fund in case the university or the sponsoring body contravenes the provisions of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules made there under.

(3) The university may utilize the income from the Endowment Fund for the development of infrastructure of the university and not to meet the recurring expenditure of the university.

(4) The amount of Endowment Fund shall be invested in such instruments as the Government may prescribe and kept invested until the dissolution of the university.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

(5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept

in the safe custody of the Government and in case of deposit in the interest bearing

Personal Deposit account in the Government Treasury, deposit shall be made with the

condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the Government.

38. General Fund.

(1) The university shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which the

following shall be credited, namely:

- (a) Fees and other charges received by the university;
- (b) Any contribution made by the sponsoring body;
- (c) Any income received from consultancy and other work undertaken by the university in pursuance of its objective;
- (d) Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and
- (e) All other sums received by the university.

(2) The General Fund shall be utilized for the following objects, namely:

- (a) For the repayment of debts including interest charges thereto incurred by the university for the purposes of this Act and the Statutes, the Ordinances, the Regulations, and the Rules made there under with the prior approval of the Governing Body;
- (b) To upkeep the assets of the university;
- (c) For the payment of the fee for audit of the funds created under sections 37 and 38;
- (d) To meet with the expenses of any suit or proceedings by or against the university;
- (e) For the payment of salaries, allowances, provident fund contributions, gratuity and other benefits to officers, employees, and members of the teaching and research staff;
- (f) For the payment of travelling and other allowances of the members of the Governing Body, the Executive Council, the Academic Council, other authorities and the members of any committee appointed by any of the authority or the Chairperson of the sponsoring body or the Chancellor;
- (g) For the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to the students belonging to economically weaker sections of the society or research associates, trainees or, as the case may be, in any student otherwise eligible for such awards under the Statutes, the Ordinances, the Regulations or the Rules;

- (h) For the payment of any expenses incurred by the university in carrying out the provisions of Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the Rules;
 - (i) for the payment of cost of capital, not exceeding the prime lending rate from time to time of the State Bank of India, incurred by the sponsoring body for setting up the university and the investments made therefore;
 - (j) for the payment of charges and expenditure relating to the consultancy work undertaken by the university in pursuance of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules;
- झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 41**
- (k) for the payment of any other expenses including service fee payable to any organization charged with the responsibility of providing any specific service, including the managerial services to the university, on behalf of the sponsoring body, as approved by the Governing Body to be an expense for the purposes of the university;

Provided that no expenditure shall be incurred by the university in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Governing Body, without prior approval of the Governing Body.

ACCOUNTS, AUDIT AND ANNUAL REPORT

39. Annual Report.

The Annual Report of the University shall be prepared by the University which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be submitted to the State Government.

40. Audit and Annual Accounts.

- (1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared by the University and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose.
- (2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the State Government.

WINDING UP OF UNIVERSITY

41. Winding up of University.

- (1) If the sponsoring body proposes to dissolve itself according to the provisions of law governing its constitution or incorporation; it shall give at least six months prior notice to the State Government.
- (2) The State Government shall, on receipt of such notice make such arrangements as may be necessary, for the administration of the University from the date of dissolution of the sponsoring body till the completion of syllabus by the last batch of students admitted to the University and may also cause the functioning of the University to continue by appointing an administrator in place of the sponsoring body, who shall be entrusted with the powers, duties and functions of the Sponsoring body, duties and functions of the Sponsoring Body as prescribed under this Act.

42. Dissolution of University.

(1) The Sponsoring Body who intends to dissolve the University shall give a notice to that effect in the prescribed manner to the State Government. The State Government, after due consideration, may dissolve the University in the manner as may be prescribed;

Provided that the dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body in the manner as may be prescribed.

(3) Where the State Government decides under sub-section (1) to dissolve the University, it may vest the powers of the Governing Body in the prescribed manner to other societies

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018

having similar objects till the dissolution of the University takes effect under the proviso to sub-section (1).

43. **Special powers of State Government under certain circumstances.**

(1) Where the State Government is of the opinion that the University has contravened any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the direction issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue the notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an administrator be not appointed.

(2) On receipt of reply of the University on the notice issued under sub section (1), if the State Government is satisfied that there is a prima facie case of contravention of any of the provision of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or violation of directions issued by it under this Act or there is financial mismanagement or maladministration, it shall make an order of such inquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any such inquiry under sub-section (2), appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

(4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 while trying a suit in respect of the following matters, namely :-

- (a) Summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;
- (b) Requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;
- (c) Requisitioning any public record from any court or office.

(5) On receipt of the inquiry report from the officer or officers appointed under sub-section(3), if the State Government is satisfied that the University has contravened all or

any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made there under or has violated any of the directions issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement and maladministration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it may appoint an administrator.

- (6) The administrator appointed under sub-section (5) shall exercise all the powers and perform all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded with degrees, diplomas or, as the case may be, awards.
- (7) After having been awarded the degrees, diplomas or, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to that effect to the State Government.
- (8) On receipt of the report under sub-section (7), the State Government shall dissolve the University and on dissolution of the University, all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body.

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 43

MISCELLANEOUS

44. Power of the State Government to make Rules.

- (1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.
- (2) All rules made under this section shall be laid for not less than thirty days before the State Legislature as soon as may be after they are made and shall be subject to rescission by the State Legislature or to such modification as the State Legislature or to such modification as the State Legislature may make during the session in which they are so laid or the session immediately following.

45. Completion of courses of students.

Notwithstanding anything contained in this Act or the Regulations, any student of the constituent colleges or institutions of the University specified in the Schedule and affiliated to any University who immediately before the commencement of this Act was studying or was eligible for any examination of that University shall be permitted to complete his course in preparation therefore, and the University shall provide for the instruction, teaching, training and examination of such students, in accordance with the courses of studies of the respective University in such manner and for such period as may be prescribed.

46. Power to remove difficulties.

- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, take steps not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Provided that no notification order under sub section (1) shall be made after the expiration of a period of three years from the commencement of this Act.

- (2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislature.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत-बर,2018



SCHEDULE A

(1) Acquire not less than 10 acres of land for its main Campus, if single-domain, and 25 acres of land, if multi-domain within two years after starting the functioning of the university. An integrated campus may have certain facilities in common such as auditorium, cafeteria, hostels, etc. and hence the land requirement may vary accordingly.

(2) Construct administrative building of at least 1000 sq. mtrs., academic building including library, lecture theatres, laboratories of at least 10000 sq. mtrs., adequate residential accommodations for teachers, guest houses, hostels which shall gradually be increased to accommodate at least 25% of the total student strength in each course within 3 years of its coming into existence. In case the University is conducting professional programmes of study, prevailing norms and standards of respective statutory body shall be applicable. Existing institutes must undertake expansion/renovation/restructuring to meet the prescribed norms of the State Government.

झारखंड रा8यपाल के आदेश से,

संजय +साद,

धान स1चव-सह-3व1ध परामश□

3व1ध 3वभाग, झारखंड, राँची ।

रखड राजक>य मुGणालय, राँची वारा काशत एवं मु9Gत
झारखंड गजट (असाधारणअसाधारण) 903 -- 50